www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 252 • ठाणे, शनिवार 13 जून, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

दिशा पाटनी आज करती हैं करोड़ों दिलों पर राज

भारत अब नाजुक नहीं, मजबूत और ताकतवर है: अमिताभ बच्चन

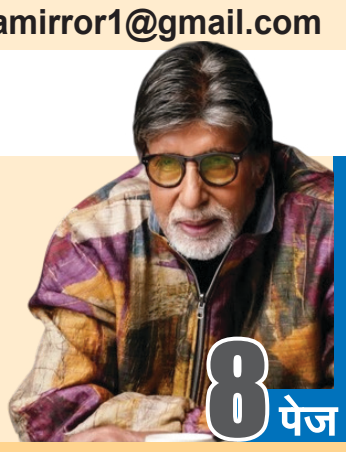

पेज 8

सुप्रभात

जो मूर्ख है, पर जानता है कि वह मूर्ख है, वह दुनिया का सबसे अक्लमंद आदमी है, लेकिन जो मूर्ख है, मगर नहीं जानता कि वह मूर्ख है, वह दुनिया का सबसे बड़ा मूर्ख है। - **सुकरात**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (13 जून) 7:17 बजे, सूर्योदय (14 जून) 6:01 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (आंधी-तूफान की ज्यादा संभावना।)**

शॉर्ट स्टोरी

अल नीनो या सालों से चल रही जंग का असर?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मौसम विभाग ने प्रशांत महासागर में अल नीनो की शुरुआत की पुष्टि की है। इससे भारत में इस साल मानसून के कमजोर होने और सूखे का खतरा बढ़ गया है। हालांकि जापान की मौसम एजेंसी ने जुलाई से एक सकारात्मक सिस्टम हिंद महासागर द्विध्रुव बनने की उम्मीद जताई है, जो भारत को इस संकट से बचा सकता है। मौसम विभाग ने जून 2026 का हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन में साफ कहा गया है कि समुद्र की सतह का तापमान बहुत बढ़ गया है। मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान अब अल नीनो के तय पैमाने को पार कर चुका है। पर सवाल यह भी उठता है कि कई साल से यूक्रेन और रूस एक दूसरे पर बम बरसा रहे हैं। अब अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान पर कई महीनों से बम बरसा रहे हैं। क्या इस बेतहाशा बमबारी से समुद्र का तापमान बढ़ रहा है? दरअसल जिस तरह अमेरिकी मौसम विभाग अल नीनो के खतरे से दुनिया को आगाह कर रहा है, उससे साफ है कि जंग के भूखे नेता अल नीनो जैसी स्थिति पैदा करने में हिस्सेदार हैं।

राम मंदिर चढ़ावे पर राऊत का बड़ा दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अयोध्या में रामलला के मंदिर में चढ़ावे की चोरी का दावा किया जा रहा है, जिसके बाद से देशभर में सियासी पारा हाई हो गया है। इस मामले पर अब उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राऊत का कहना है कि राम मंदिर में चढ़ावे के तौर पर आए 5 करोड़ रुपए से ज्यादा की डकैती हुई है। उन्होंने दावा किया कि यह चोरी सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रही है। संजय राऊत ने यूपी की डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर राम को चढ़ाए गए 5 करोड़ रुपए चोरी हो जाते हैं, तो इसके लिए यूपी और केंद्र, दोनों जगह आपकी सरकार जिम्मेदार है। आप ईवीएम, वोट और सीटें चुराते हैं और अब आप राम के चढ़ावे से भी चोरी कर रहे हैं। आपके हर काम में चोरी शामिल है। राऊत ने कहा कि हमें लगता है कि भगवान राम हमें वापस बुला रहे हैं। कल मैंने उद्धव ठाकरे से बात की और कहा कि हमें अयोध्या जाना चाहिए। इसलिए अयोध्या जाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। हम सबसे पहले अयोध्या जाएंगे। हम सबसे पहले भगवान राम से मिलेंगे। हम सिर झुकाकर भगवान राम से माफी मांगेंगे।

11 करोड़ के गांजे के साथ पकड़ी गई मॉडल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट पर एक मशहूर मॉडल और पिछले साल 'मिसेज केरल' पेजेंट की रनर-अप रहीं हर्षा सनी को कस्टम विभाग ने भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। 29 वर्षीय मॉडल हर्षा सनी बैंकॉक से मुंबई लौट रही थीं। एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने जब उनके सामान की जांच की, तो उनके ट्रॉली बैग से 12 वैक्यूम-सील्ड पैकेट बरामद हुए। जांच में पता चला कि इन पैकेटों में 'हाइड्रोपोनिक कैनबिस' (विदेशी गांजा) भरा हुआ था। बरामद किए गए ड्रग्स की कीमत करीब 11.82 करोड़ रुपए बताई जा रही है। हर्षा ने दावा किया कि वह बैंकॉक ट्रिप के दौरान एक व्यक्ति से मिली थी, जिसने उसे दोस्ती का हवाला देकर यह बैग भारत ले जाने के लिए मनाया था। उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि बैग में क्या है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एलन मस्क दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क अब सिर्फ एक अरबपति नहीं रहे, बल्कि उन्होंने संपत्ति के मामले में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है जो अब तक किसी भी व्यक्ति ने नहीं किया था। रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के रिकॉर्ड 75 अरब डॉलर के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के बाद मस्क दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बन गए हैं। रॉयटर्स की गणना के अनुसार, शुक्रवार को जब शेयरों की ट्रेडिंग शुरू हुई, तो टेस्ला और उनकी अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी को मिलाकर मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ डॉलर) को पार कर गई। इसमें केवल स्पेसएक्स की ही लगभग 866 अरब डॉलर की हिस्सेदारी शामिल है। इस आईपीओ से पहले फोर्ब्स ने मस्क की संपत्ति करीब 780 अरब डॉलर आंकी थी, जो अल्फाबेट के सह-संस्थापक लैरी पेज जैसे अमीरों से बहुत आगे थी। फोर्ब्स वेल्थ के डिप्टी एडिटर मैट डुरोट के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति की संपत्ति लगभग 300 अरब डॉलर के आसपास झूल रही है, जो मस्क की संभावित दौलत के एक-तिहाई से भी कम है। अब तक केवल एक अन्य व्यक्ति, ओरेकल के संस्थापक लैरी एलिसन ही 400 अरब डॉलर की संपत्ति तक पहुंच पाए हैं।

1.1 ट्रिलियन डॉलर की बेशुमार दौलत

देश के 48% बैंक डिजिटल धोखाधड़ी से प्रभावित

हर साल हो रहा 830 करोड़ का नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वैश्विक सुरक्षा संस्था बायोकैच ने 25 देशों में एक विस्तृत अध्ययन कर अपनी अहम रिपोर्ट जारी की है। इस ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारतीय बैंकिंग सेक्टर इस समय सबसे बड़े डिजिटल धोखाधड़ी के गंभीर संकट से पूरी तरह गुजर रहा है। देश के करीब 48 फीसदी भारतीय बैंक इस खतरनाक साइबर ठगी और धोखाधड़ी से बहुत ही ज्यादा प्रभावित हैं। यूआई और यूपीआई के बढ़ते चलन ने भारत में साइबर ठगी के मामलों में बहुत भारी और अभूतपूर्व वृद्धि कर दी है। इस अध्ययन के दौरान सुरक्षा विशेषज्ञों ने करीब 14 हजार से अधिक लोगों से गहराई से बातचीत की है। सर्वे के अनुसार साइबर ठगी के कारण भारतीय बैंकों को सालाना 830 करोड़ रुपए से ज्यादा की बहुत बड़ी चपत लग रही है। इसके साथ ही आम ग्राहकों को भी हर साल ठगी से लगभग 41 करोड़ रुपए से अधिक का व्यक्तिगत नुकसान उठाना पड़ रहा है। करीब 58 फीसदी बैंक अधिकारियों ने भी माना कि उनके ग्राहकों को यह भारी व्यक्तिगत नुकसान लगातार झेलना पड़ रहा है। सर्वे में 66 फीसदी भारतीय बैंकिंग लीडर्स ने माना कि धोखाधड़ी बढ़ने का मुख्य जरिया तुरंत भुगतान प्रणाली यानी यूपीआई ही है। यह दर दुनिया के बाकी देशों के 59 फीसदी के वैश्विक औसत से भी काफी ज्यादा है जो बहुत चिंताजनक है।

कांग्रेस डूबता जहाज...

विपक्षी दलों का विलय भाजपा के लिए फायदेमंद : सीएम फडणवीस

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों छोटे दलों के कांग्रेस में संभावित विलय को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कांग्रेस को 'डूबता जहाज' करार दिया। उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी दल कांग्रेस में विलय भी करते हैं, तो उसका सबसे बड़ा फायदा भाजपा को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम फडणवीस ने विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विलय की चर्चाओं को लेकर उनकी स्थिति बिल्कुल साफ है। मुख्यमंत्री ने व्यंग्य करते हुए कहा कि बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए कहा कि जो व्यक्ति न कांग्रेस से जुड़ा है और न ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से, वही इस तरह की चर्चाएं शुरू कर रहा है और फिर पूरा राजनीतिक माहौल उसी पर बहस करने लगता है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय दलों के नेताओं की राजनीतिक समझदारी पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे इतने समझदार हैं कि किसी डूबते जहाज पर सवार नहीं होंगे। कांग्रेस एक डूबता जहाज है और मुझे नहीं लगता कि क्षेत्रीय दल उसके साथ अपना भविष्य जोड़ना चाहेंगे।

मोदी सबसे बेहतरीन काम करने वाले प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर बदल दी है और हर क्षेत्र में बदलाव लाए हैं। फडणवीस ने देश के सबसे लंबे समय तक चुने गए प्रधानमंत्री बनने पर मोदी को बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि का महत्व सिर्फ उनके कार्यकाल की अवधि में नहीं बल्कि उस दौरान लाए गए बदलावों में है।

जनकल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक प्रगति का दिया हवाला

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और 80 करोड़ नागरिकों को खाद्य सुरक्षा दी है। उन्होंने पीएम-किसान, आयुष्मान भारत, जन धन योजना, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना और लखपति दीदी कार्यक्रम जैसी कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया।

भारत बनेगा 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी

सीएम फडणवीस ने कहा कि वैश्विक मंदी को लेकर कुछ लोगों की चिंताओं के बावजूद भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि लोग मंदी की बातें करते रहे लेकिन इस साल भारत की विकास दर दुनिया में सबसे ज्यादा है। आज भी भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि देश तेजी से 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा

सीएम फडणवीस ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी दलों का कांग्रेस में विलय हो जाता है, तब भी भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा। इससे भाजपा के लिए अधिक राजनीतिक अवसर पैदा होंगे। अगर वे विलय करते हैं तो यह हमारा फायदा है, नुकसान नहीं। विपक्ष जितना अपनी अलग पहचान खत्म करेगा, उतनी ही ज्यादा राजनीतिक जगह भाजपा के लिए खुलेगी। फिलहाल हम 'इंतजार करो और देखो' की नीति पर चल रहे हैं।

प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के विक्रेताओं पर लगेगा मकोका!

अमित तिवारी @ मुंबई

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, महाराष्ट्र राज्य ने लोगों की सेहत की रक्षा करने और महाराष्ट्र राज्य में प्रतिबंधित की गई खाने की चीजों के संगठित गैर-कानूनी व्यापार पर रोक लगाने के लिए एक बहुत जरूरी कदम उठाया है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने शुक्रवार को सभी फील्ड अधिकारियों को गुटखा, तंबाकू या निकोटीन, सुगंधित पान मसाला और इसी तरह के तंबाकू-मिश्रित मना की गई खाने की चीजों को बनाने, स्टोर करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और बेचने में शामिल संगठित नेटवर्क के खिलाफ योग्य मामलों में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट, 1999 यानी मकोका लागू करने के बारे में साफ आदेश जारी किए हैं।

मुनाफे के लिए प्रतिबंध की अनदेखी

भारत के संविधान के आर्टिकल 47 के अनुसार, राज्य लोगों की सेहत को बेहतर बनाने और सेहत के लिए नुकसानदायक चीजों के इस्तेमाल को रोकने के लिए जिम्मेदार है। गुटखा, तंबाकू या निकोटीन वाला पान मसाला और ऐसी प्रतिबंधित चीजें लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा हैं। इस संदर्भ में, राज्य में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 की धारा 30 (2) (ए) के तहत ऐसी चीजों को बनाने, स्टोर करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और बेचने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि रोक के बावजूद, एनफोर्समेंट एजेंसियों ने देखा है कि कुछ जगहों पर इन चीजों का गैर-कानूनी व्यापार सिस्टमैटिक, ऑर्गनाइज्ड और पैसे के फायदे के लिए किया जा रहा है।

मिलावटखोरों का संगठित नेटवर्क

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, पुलिस और संबंधित एजेंसियों की गतिविधियों से पता चला है कि कुछ मामलों में न केवल रिटेलर बल्कि मैन्युफैक्चरर, सप्लायर, फाइनेंसर, ट्रांसपोर्टर, वेयरहाउस ऑपरेटर, होलसेलर, सब-सेलर और दूसरे सपोर्ट करने वाले तत्व भी मिले-जुले तरीके से शामिल हैं। कई बार, नकली डॉक्यूमेंट, नकली करेंसी, डमी कंपनियां, बेनामी ट्रांजैक्शन, सीक्रेट वेयरहाउस, इंटर-स्टेट सप्लाई चेन के साथ-साथ ट्रांसपोर्टेशन और बांटने के लिए अलग-अलग रास्तों का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए उम्मीद है कि ऐसी एक्टिविटीज की जांच, सही मामलों में ऑर्गनाइज्ड क्राइम के तौर पर की जाएगी, न कि सिर्फ फूड सेफ्टी के उल्लंघन तक।

फुटकर के बजाय समूचे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर जोर

इन निर्देशों में सिर्फ रिटेलर्स पर कार्रवाई करने के बजाय पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई करने पर जोर दिया गया है। सबूतों के आधार पर प्रोड्यूसर्स, फाइनेंसर्स, बड़े सप्लायर्स, ट्रांसपोर्टर्स, वेयरहाउस ऑपरेटर्स, होलसेलर्स और रिटेलर्स की चेन को साफ किया जाएगा। अगर कोई मामला ऑर्गनाइज्ड है, तो ऐसे संगठनों में काम करने वाले नेटवर्क के सभी पहचाने गए सदस्यों के खिलाफ मौजूद सबूतों के आधार पर कार्रवाई करने का तरीका अपनाया जाएगा। इससे बैन खाने की चीजों के गैर-कानूनी व्यापार के मुख्य भड़काने वालों और पैसे का फायदा उठाने वालों को कानून के दायरे में लाना मुमकिन हो सकेगा।

व्यापरियों को परेशान करना मकसद नहीं

एफडीए आयुक्त ने साफ किया है कि उनका मकसद कानून मानने वाले व्यापारियों को कोई परेशानी देना नहीं है। हालांकि, जो लोग, ऑर्गनाइजेशन और नेटवर्क पब्लिक हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हुए बैन खाने की चीजों का ऑर्गनाइज्ड ट्रेड कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त, सबूतों पर आधारित और कानूनी तौर पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैन खाने की चीजों का गैर-कानूनी ट्रेड सिर्फ फूड सेफ्टी का उल्लंघन नहीं है, बल्कि इसे अब से पब्लिक हेल्थ के खिलाफ एक गंभीर ऑर्गनाइज्ड क्राइम माना जाएगा।

स्टैंड-अप कॉमेडी में सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो को लेकर उठे विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय समाज, संस्कृति और लोगों की भावनाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब अभिव्यक्ति की कोई शैली तय सीमाओं से आगे निकल जाती है, तो उसका असर समाज और आम लोगों पर पड़ सकता है। इसलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडी आज के दौर में मनोरंजन का एक लोकप्रिय माध्यम बन चुका है और उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी ऐसे कार्यक्रम देखना पसंद है। हालांकि, कॉमेडियंस को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द और प्रस्तुतियां समाज में किस तरह का संदेश दे सकती हैं। उनके मुताबिक, कॉमेडी और मनोरंजन के साथ सामाजिक मर्यादाओं का पालन भी उतना ही जरूरी है।

शेगांव कचोरी सेंटर पर एफडीए का छापा

बुलढाणा जिले के शेगांव स्थित प्रसिद्ध तीरथराम करमचंद शर्मा कचोरी सेंटर पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन एफडीए विभाग ने अचानक छापा मारा। प्रशासन ने कचोरी बनाने में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न कच्चे माल के नमूने जांच के लिए लिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में मिलावट पाई जाती है, तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देशानुसार, राज्य भर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जिले के प्रसिद्ध खाद्य केंद्रों की जांच की जा रही है। शेगाव महाराष्ट्र का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, जहां हर साल लाखों भक्त आते हैं और यहां की शेगावी कचोरी का स्वाद लेते हैं। हालांकि, कचोरी की गुणवत्ता और उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री की शुद्धता पर सवाल उठने के बाद प्रशासन ने यह

छापेमारी की। विभाग के अधिकारी गुलाबसिंह वसावे के नेतृत्व वाली टीम ने सेंटर पर छापा मारकर कचोरी बनाने में इस्तेमाल होने वाले मैदा, दाल, तेल, मसाले, घी और अन्य आवश्यक सामग्री के नमूने लिए।

घर में घुसकर 13 साल के बच्चे को मारी गोली

• आरोपी साथियों संग फरार, सांगली में फैली दहशत

हिंदमाता नेटवर्क @ सांगली

मिराज तालुका के आरग में रेलवे स्टेशन पर लेबर कॉन्ट्रैक्ट को लेकर हुए झगड़े ने गुरुवार को खूनी मोड़ ले लिया। सांगली के अभयनगर-एसटी कॉलोनी इलाके में एक मासूम बच्चे वेदांत मारुति बंडगर (उम्र 13) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सांगली मार्केट कमेटी के डायरेक्टर मारुति बंडगर और उनके पिता, पुराने डायरेक्टर बालासाहेब बंडगर बाल-बाल बच गए, क्योंकि गोलीबारी के समय वे घर पर नहीं थे। पुलिस ने इस मामले में कुख्यात गुंडे नीलेश गडदे और उसके साथियों पर शुरुआती शक जताया है, और उनकी तलाश के लिए पुलिस की चार टीमें भेजी गई हैं। जांच में पता चला है कि गडदे ने बुधवार रात जत तालुका के बाज में भी गोलीबारी की थी और 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।

माल ढुलाई के ठेके को लेकर विवाद

लेबर यूनियन में मजदूर और कुली नेता बालासाहेब बंडगर के साथी लक्ष्मण खरात का आरग रेलवे डिपो में माल उतारने का कॉन्ट्रैक्ट है। इस कॉन्ट्रैक्ट को लेकर नीलेश गडदे और खरात के बीच कुछ दिनों से झगड़ा चल रहा था। इसी झगड़े की वजह से बुधवार शाम को नीलेश गडदे खरात के पैतृक गांव बाज गया और उसकी पत्नी को धमकाया- 'अपने पति से कहो कि या तो माल डेपो का काम छोड़ दे या तो 10 लाख रुपए दे दे, नहीं तो जान से मार दूंगा।' इसके बाद उसने गांव के अहिल्यादेवी चौक पर फायरिंग कर दहशत फैलाई। फिर गुरुवार दोपहर को गडदे और खरात के बीच फिर झगड़ा हुआ। इस दौरान गडदे की गाड़ी पर पथराव हुआ।

खेल रहे बच्चे को मार दी गोली

दोपहर में हुए झगड़े के बाद गुस्से में नीलेश गडदे शाम करीब 6:30 बजे अपने दोस्तों के साथ कार में सांगली में बंडगर के घर आया। उस समय घर में सिर्फ बालासाहेब बंडगर के भाई और पोता वेदांत थे। गडदे ने उनसे पूछा- क्या यही बालासाहेब बंडगर का घर है? और सीधे हवा में गोली चला दी। इससे बंडगर के भाई घर में भाग गए, लेकिन उसी समय गडदे ने वेदांत की आंख के पास सीधे गोली चलाई, जो घर के बाहर खड़ा होकर अपने मोबाइल फोन पर खेल रहा था। गोली चलाने के बाद, संदिग्ध गाड़ी में भाग गए। खून से लथपथ वेदांत को तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालांकि इलाज से पहले ही उसे मृत घोषित कर दिया गया।

हिंदमाता एंकर: वोट चोरी के बाद अब सबूत मिटाने की साजिश? बंगाल में 4000 ईवीएम खाक होने पर विजय वडेट्टीवार का भाजपा पर बड़ा हमला, सोशल मीडिया पर भी आया अटकलों का तूफान

बंगाल में कैसे जलीं 4 हजार ईवीएम? 10 विधानसभा सीटों पर हुआ था इस्तेमाल, जांच के लिए एसआईटी गठित

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक सरकारी इमारत में लगी भीषण आग में करीब 4,000 ईवीएम जलकर खाक हो गई हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि आग लगने के पैटर्न को देखते हुए इसके पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका जताई जा रही है। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। पश्चिम बंगाल के मंत्री कौशिक चौधरी ने इस घटना के बारे में जानकारी दी। दक्षिण कोलकाता के अलीपुर इलाके में स्थित नौ मंजिला इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस इमारत में अन्य विभागों के अलावा दक्षिण 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी था।

क्या साजिश के तहत लगाई गई थी आग?

मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि आग में लगभग 4,000 ईवीएम नष्ट हो गई हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल राज्य में इसी साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान 10 निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया था। घटनास्थल का दौरा करने के बाद चौधरी ने कहा कि यह सामान्य आग नहीं लगती। हम जांच कर रहे हैं कि क्या कोई साजिश थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग नौवीं और दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची। उन्होंने जानकारी दी कि आग सबसे पहले इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर देखी गई थी।

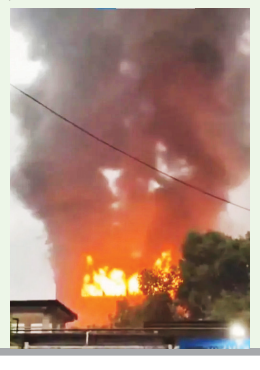

तीसरी से सीधे आठवीं मंजिल तक कैसे पहुंची आग?

कौशिक चौधरी ने कहा कि यह आग चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को प्रभावित किए बिना सातवीं और आठवीं मंजिल तक कैसे पहुंची? पूरे मामले की जांच की जा रही है। चौधरी ने बताया कि वह घटना के बारे में बेहतर जानकारी पाने के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। बुधवार को भड़की इस आग को बुझाने में दमकल कर्मियों को 24 घंटे से भी ज्यादा का समय लगा। हालांकि गुरुवार सुबह तक बाहर से कोई लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं, लेकिन अधिकारियों का कहना था कि इमारत के अंदर अब भी कुछ हिस्सों में आग सुलग रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कूलिंग ऑपरेशन जारी हैं।

शिकायत दर्ज कराकर घटना की जांच की मांग

इस बीच, दक्षिण 24 परगना प्रशासन ने अलीपुर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराकर घटना की जांच की मांग की गई है। यह शिकायत जिले के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आग बिजली की खराबी या किसी अन्य कारण से लगी. अधिकारियों ने कहा कि अभी तक किसी खास कारण का पता नहीं चल पाया है। इस बीच इमारत को सुरक्षित कर दिया गया है और वहां लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है।

विजय वडेट्टीवार का भाजपा पर बड़ा हमला

इस घटना को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए इसे वोटों की चोरी के बाद सबूत मिटाने की एक सोची-समझी कोशिश करार दिया है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने इस घटना पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वोटों की चोरी का काम पूरा हो चुका है और अब सबूतों को भी जलाकर नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव में जिन मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, उन्हें जानबूझकर आग के हवाले किया गया ताकि कोई पुख्ता सबूत बाकी न रहे।

हिंदमाता इंपैक्टः अब बिजली संकट दूर हुआ

खबर के असर और जनदबाव के बाद महावितरण ने बदला ट्रांसफार्मर, अब मिलेगी नियमित बिजली

02| हिंदमाता मिरर ठाणे, शुक्रवार 12 जून, 2026
हिंदमाता एंकरः तीन ट्रांसफार्मर एक साथ फेल, अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने में अड़चन का आरोप
बिजली संकट पर सियासत
जनजीवन हुआ प्रभावित
भक्ति धाम में जारी परेशानी
पोल लगाने पर विवाद
तापरवाही का आरोप

बिपिन तिवारी @ नालासोपारा

नालासोपारा (पूर्व) के संतोष भवन अंतर्गत भक्ति धाम क्षेत्र में लंबे समय से जारी बिजली संकट आखिरकार समाप्त हो गया है। मीडिया में मामला प्रमुखता से उठने और स्थानीय स्तर पर बढ़ते जनदबाव के बाद महावितरण ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में नया एवं अधिक क्षमता वाला ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया है। इससे अब नागरिकों को नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

गर्मी में परेशानी

पिछले कई दिनों से क्षेत्र के लोग भीषण गर्मी और उमस के बीच प्रतिदिन 10 से 12 घंटे की बिजली कटौती झेल रहे थे। बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग और छोटे कारोबार भी प्रभावित हो रहे थे। इससे स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी थी।

ट्रांसफार्मर हुए थे फेल

जानकारी के अनुसार 7 जून की रात मंसूरी डेरी, बावशेतपाड़ा और भक्ति धाम क्षेत्र के तीन ट्रांसफार्मर एक साथ खराब हो गए थे। अन्य इलाकों की बिजली आपूर्ति अगले दिन बहाल कर दी गई थी, लेकिन भक्ति धाम में अधिक लोड के कारण समस्या बनी हुई थी।

राजनीति बनी बाधा

महावितरण की योजना अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की थी, लेकिन इसके लिए आवश्यक बिजली पोल लगाने को लेकर स्थानीय स्तर पर विवाद और राजनीति के कारण काम अटक गया था। इससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था।

आंदोलन की चेतावनी

प्रभाग 18/डी के नगरसेवक गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव ने महावितरण के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी देते हुए जल्द समाधान की मांग की थी। इसके बाद विभाग ने युद्धस्तर पर काम शुरू कर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया।

नागरिकों को राहत

नए ट्रांसफार्मर के शुरू होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सामान्य होने लगी है। स्थानीय नागरिकों ने राहत व्यक्त करते हुए समस्या के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों और प्रशासनिक कार्रवाई की सराहना की है।

बांध में चार लोगों की डूबने से मौत

● मृतकों में तीन चचेरे भाई-बहन और एक युवती शामिल

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक जिले में गंगापुर बांध इलाके में डूबने की एक दुखद घटना में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन नाबालिग चचेरे भाई-बहन और एक युवती शामिल हैं। इस हादसे से सावरगांव और आस-पास के इलाकों में शोक छा गया है। आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान नाशिक जिले के सावरगांव के रहने वाले गणेश गोटारणे (16), साहिल गोटारणे (16) और निखिल गोटारणे (16) के साथ-साथ तलेगांव अंजानेरी की रहने वाली मयूरी जाधव (21) के तौर पर हुई है। खबरों के मुताबिक, गोटारणे परिवार ने गुरुवार को पारंपरिक सामुदायिक दावत 'धोंड्या-चे जेवन' के लिए रिश्तेदारों को बुलाया था। दोपहर के खाने के बाद, मयूरी जाधव ने गंगापुर बांध के स्पिलवे इलाके में घूमने की इच्छा जताई। बाद में वह परिवार के पांच अन्य सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ बांध पर गईं।

गहरे पानी का खतरा

वहां पहुंचने के बाद सभी पानी में उतरे। शुरू में पानी कमर तक ही लग रहा था, लेकिन उन्हें पानी की गहराई में अचानक होने वाले बदलावों और सतह के नीचे गहरे गड्ढों के बारे में पता नहीं था। इसी बीच, एक युवक गलती से गहरे हिस्से में पहुंच गया और वह डूबने लगा।

बचाव में बढ़ी त्रासदी

इसके बाद, जब दूसरों ने उसे बचाने की कोशिश की, तो वे भी तेज बहाव और गहरे पानी की चपेट में आ गए। अफरातफरी के बीच, एक युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, तीन किशोर और मयूरी जाधव पानी में बह गए और डूब गए।

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा

इस घटना के बाद, पानी से बचकर निकला एक युवक गांव पहुंचा और लोगों को इसकी जानकारी दी। स्थानीय युवक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर दिया। सरकारी बचाव दलों के पहुंचने से पहले ही, ग्रामीणों ने नावों और उपलब्ध अन्य साधनों की मदद से खोज अभियान शुरू कर दिया। उनकी कोशिशों से आखिरकार चारों शव बरामद कर लिए गए। वहीं, बचाई गई घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बड़ी संख्या में जुटे लोग

इस घटना की खबर फैलते ही सावरगांव और आस-पास के गांवों के सैकड़ों लोग बांध के पास जमा हो गए। शाम को मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला सरकारी अस्पताल भेजा गया।

लोकप्रिय पर्यटन स्थल

बता दें कि गंगापुर बांध एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां हर दिन लगभग 8,000 से 10,000 पर्यटक आते हैं। यहां एक बोट क्लब भी चलता है और सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए हैं। यहां नाशिक और आस-पास के इलाकों से युवा पर्यटक ज्यादा आते हैं।

बीमारी के कारण महिला ने आत्महत्या कर ली

मानसिक तनाव से जूझ रही थीं महिला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे के रेवाले तालाब में कूदकर 35 वर्षीय महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का खुलासा शुक्रवार सुबह हुआ। सूचना मिलते ही कापूरबावडी पुलिस और ठाणे महानगरपालिका के अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने तालाब से शव बाहर निकालकर पुलिस के हवाले किया। मामले की जांच जारी है।

किडनी की बीमारी और पति की मौत का सदमा

मृतका की पहचान सोनी गायकवाड (35) के रूप में हुई है, जो मुंबई के कांदिवली क्षेत्र की निवासी थीं। पुलिस के अनुसार, वह लंबे समय से किडनी की बीमारी से पीड़ित थीं। इसके अलावा करीब एक वर्ष पहले उनके पति का निधन हो गया था। बीमारी की पीड़ा और पति की मौत के मानसिक आघात के कारण वह लगातार तनाव में रह रही थीं।

बहन के घर आई थीं ठाणे

बताया गया है कि गुरुवार को सोनी अपने बेटे के साथ ठाणे के बालकुम स्थित यशस्वी नगर में रहने वाली अपनी बहन के घर आई थीं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह बार-बार यह कह रही थीं कि अब वह जीवन नहीं जीना चाहतीं और दर्द सहन नहीं हो रहा है। रात के समय वह घर से बाहर निकल गईं।

पुलिस कर रही जांच

प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि उन्होंने यशस्वी नगर क्षेत्र स्थित रेवाले तालाब में कूदकर आत्महत्या की। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और बचाव दल ने कार्रवाई की। पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। कापूरबावडी पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

ब्रिज से गिरकर मजदूर की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंब्रा

मुंब्रा फास्ट रेलवे लाइन पर स्थित रेलवे ब्रिज पर रंगाई का काम कर रहे एक मजदूर की खाड़ी में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय जैनुल आब्दीन के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार रेलवे ब्रिज पर पेंटिंग का काम चल रहा था और कई मजदूर कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान एक ट्रेन के आने पर निगरानी कर रहे कर्मचारी ने सीटी बजाकर सभी मजदूरों को सतर्क किया। सीटी की आवाज सुनते ही सभी मजदूर सुरक्षित स्थान पर चले गए, लेकिन ट्रेन गुजरने के बाद जैनुल आब्दीन वहां नहीं मिला। इसके बाद साथियों ने उसकी तलाश शुरू की और आशंका जताई कि वह पुल से नीचे खाड़ी में गिर गया है। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस, आरपीएफ और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। खाड़ी में चलाए गए खोज अभियान के दौरान कुछ समय बाद जैनुल का शव बरामद कर लिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल भेज दिया गया।

मोबाइल और नकदी चोरी में दो गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मालाड पश्चिम के माइंडस्पेस क्षेत्र स्थित एक निजी कार्यालय में मोबाइल और नकदी चोरी के मामले का बांगुर नगर पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि कार्यालय के एक कर्मचारी ने अपने दोस्त को प्रवेश कार्ड देकर अंदर पहुंचने में मदद की थी। पुलिस के अनुसार, कंपनी में कार्यरत 23 वर्षीय आदित्य दास ने अपने मित्र प्रतीक सापकल को कार्यालय में प्रवेश के लिए अपना एक्सेस कार्ड उपलब्ध कराया। साथ ही उसे सामान रखने वाले कमरे की जानकारी भी दी। इसके बाद आरोपी ने कर्मचारियों के बैग से मोबाइल फोन और नकदी चुरा ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक कर्मचारी ने अपना मोबाइल और नकदी गायब होने की शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति कार्यालय में आते-जाते दिखाई दिया। पूछताछ में पता चला कि वह कंपनी का कर्मचारी नहीं था। पुलिस ने तकनीकी जांच और पूछताछ के आधार पर आदित्य दास और प्रतीक सापकल को गिरफ्तार कर लिया। चोरी किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 34 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दो मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं, जबकि अन्य सामान की तलाश जारी है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

नाशिक में खौफनाक वारदात!

16 साल की मासूम को 2 लाख में बेचा

जबरन बाल विवाह कर एक माह तक किया शोषण

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक जिले के हरसूल क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मां का साया खो चुकी 16 वर्षीय किशोरी को मोबाइल फोन और नए कपड़े दिलाने का लालच देकर अगवा कर लिया गया। बाद में उसे अहिल्यानगर जिले के संगमनेर तहसील के कौठे मलकापुर गांव में दो लाख रुपए लेकर बेच दिया गया और उसका बाल विवाह करा दिया गया। मामले का खुलासा होने के बाद हरसूल पुलिस ने पति समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तुषार पाचपिंड, संदीप पाचपिंड, सुरेश फसाले, कमल फसाले, सीता बेंडकोली, ठकुबाई मालेकर, धर्मा मालेकर, सोन्याबापू पाटोले, विशाल नारायण परचंडे और महादेव साहेबराव नाईकवाडे शामिल हैं।

क्या है मामला?

■ नासिल जिले के हरसूल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक पिता ने अपनी 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सामने आया कि क्षेत्र से कोई युवक लापता नहीं था, जिससे पुलिस को संदेह हुआ कि किशोरी का अपहरण कर उसकी बिक्री की गई है।

■ तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर नाशिक पुलिस ने नाबालिग का पता लगाया। जांच में पता चला कि वह अहिल्यानगर की संगमनेर तहसील में है। हरसूल पुलिस की टीम ने संगमनेर पहुंचकर किशोरी को सुरक्षित बरामद किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसका बाल विवाह कराने के लिए उसे बेच दिया गया था। पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपस्वामी के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक जीवन बोरसे, सुनील आहेर, अनिल गांगुर्डे और सुनील ठाकरे की टीम ने यह कार्रवाई

अप्रैल में लापता हुई थी किशोरी

नाशिक पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार किशोरी 29 अप्रैल 2026 को हरसूल क्षेत्र से लापता हुई थी। इसके बाद 4 मई को उसकी शादी करा दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फसाले परिवार विवाह तय कराने का काम करता है। उनके संपर्कों की जानकारी जुटाते हुए पुलिस ने किशोरी का पता लगाकर उसे मुक्त कराया।

एक माह तक किया यौन शोषण

मेडिकल जांच में सामने आया कि विवाह के बाद आरोपी पति ने लगभग एक महीने तक किशोरी का यौन शोषण किया। इसके आधार पर उसके खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे गिरोह और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

रविवार को मध्य रेल का मेगा ब्लॉक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए 13-14 जून की मध्यरात्रि मेन लाइन पर तथा 14 जून को हार्बर लाइन पर मेगा ब्लॉक घोषित किया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा की योजना पहले से बनाने की अपील की है। रेलवे के अनुसार, 13-14 जून की मध्यरात्रि भायखला और विद्याविहार स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइन पर रात 12:45 बजे से 3:45 बजे तक विशेष मिड नाइट मेगा ब्लॉक रहेगा। सायन आरओबी कार्य के कारण सीएसएमटी से कुर्ला के बीच उपनगरीय सेवाएं रात 12:10 बजे से सुबह 4:10 बजे तक उपलब्ध नहीं होंगी। वहीं, 14 जून (रविवार) को हार्बर लाइन पर सीएसएमटी-चुनाभट्टी/बांद्रा खंड में सुबह 11 बजे से शाम 4:40 बजे तक मेगा ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से वाशी, बेलापुर, पनवेल, बांद्रा और गोरेगांव जाने वाली कई सेवाएं रद्द रहेंगी। अप दिशा की कई लोकल ट्रेनें भी निर्लंबित रहेंगी। ब्लॉक अवधि में पनवेल और कुर्ला के बीच हर 20 मिनट पर विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक मेन लाइन और पश्चिम रेलवे से यात्रा करने की अनुमति दी गई है। रेलवे ने बताया कि संरक्षा और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए यह ब्लॉक आवश्यक है।

सीएसएमटी पुनर्विकास कार्य के लिए ब्लॉक बढ़ा

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के पुनर्विकास कार्य को गति देने के लिए मध्य रेल ने प्लेटफॉर्म क्रमांक 16 और 17 पर ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक की अवधि बढ़ा दी है। इसके चलते कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का दादर तथा ठाणे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेशन 8 जुलाई 2026 तक जारी रहेगा। रेलवे के अनुसार, प्लेटफॉर्म नंबर 16 पर 14 जून से 5 अगस्त 2026 तक तथा प्लेटफॉर्म नंबर 17 पर 14 जून से 8 जुलाई 2026 तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान प्लेटफॉर्मों पर नींव निर्माण और अन्य आवश्यक विकास कार्य किए जाएंगे। इससे पहले भी यह ब्लॉक कई बार बढ़ाया जा चुका है। ब्लॉक के कारण हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस, कोणार्क एक्सप्रेस, नंदीग्राम एक्सप्रेस, अमरावती-सीएसएमटी एक्सप्रेस, बीदर-सीएसएमटी एक्सप्रेस, लातूर-सीएसएमटी एक्सप्रेस तथा मडगांव-सीएसएमटी तेजस एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों का दादर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेशन जारी रहेगा। वहीं मंगलुरु-सीएसएमटी एक्सप्रेस ठाणे स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी। मध्य रेल ने बताया कि सीएसएमटी के आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास के लिए यह कार्य आवश्यक है। यात्रियों से यात्रा की योजना पहले से बनाकर असुविधा से बचने की अपील की गई है।

कांदिवली में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

रबड़ी कुल्फी के नाम पर बेचे जा रहे पदार्थ जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांदिवली पश्चिम के चारकोप क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रबड़ी कुल्फी के नाम पर बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों और बिना पहचान वाले क्रीम का भंडार जब्त किया है। अधिकारियों ने नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। एफडीए की टीम ने "केसी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन" नामक यूनिट पर छापा मारकर जांच की। जांच के दौरान पता चला कि कुछ जमे हुए खाद्य पदार्थों को रबड़ी कुल्फी के नाम पर बेचा जा रहा था। अधिकारियों को आशंका है कि उत्पादों की प्रस्तुति ग्राहकों को भ्रमित कर सकती थी। इसके अलावा परिसर से बिना पहचान और आवश्यक विवरण वाले क्रीम का भंडार भी बरामद किया गया। अधिकारियों के अनुसार खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत किसी भी खाद्य पदार्थ पर उसकी सही पहचान, गुणवत्ता और आवश्यक जानकारी देना अनिवार्य है। प्रारंभिक जांच में नियमों के उल्लंघन की आशंका के चलते संबंधित सामग्री जब्त कर ली गई। जब्त किए गए उत्पादों के नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एफडीए ने खाद्य कारोबारियों को नियमों का पालन करने और उपभोक्ताओं को सही जानकारी उपलब्ध कराने की चेतावनी दी है।

हिंदमाता एंकरः मीरा-भायंदरवासियों को अगस्त 2026 तक मिलेगा सूर्या प्रकल्प का पानी

9 साल का इंतजार होगा खत्म!

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

वर्षों से पानी की किल्लत झेल रहे ठाणे जिले के मीरा-भायंदरवासियों के लिए राहत की खबर है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की ओर से कार्यान्वित 403 एमएलडी क्षमता वाली सूर्या क्षेत्रीय जलापूर्ति योजना के तहत मीरा-भायंदर मनपा को चेने स्थित जलाशय में 218 एमएलडी पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस पानी का शहरभर में समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए मनपा द्वारा अमृत 2.0 मिशन के अंतर्गत मुख्य जलवाहिनियों के विस्तार, वितरण नेटवर्क सुदृढ़ीकरण और जलाशयों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

तकनीकी कारणों से हुई देरी, हर महीने हो रही समीक्षा

परियोजना के विभिन्न कार्यों में कुछ तकनीकी कारणों से देरी हुई है। लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने और बाधाओं को दूर करने के लिए एमएमआरडीए, एमएसईटीसीएल, संबंधित ठेकेदारों तथा परियोजना प्रबंधन सलाहकारों की संयुक्त समीक्षा बैठक प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे बुधवार को आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने निर्देश दिए कि अगस्त 2026 के अंत तक सूर्या प्रादेशिक जलापूर्ति योजना का पानी चेने जलाशय तक पहुंचाने के लिए आवश्यक सभी कार्रवाई पूरी की जाए।

10 जल टैंक और वितरण नेटवर्क का काम भी अगस्त तक पूरा करने के निर्देश

शहर में पानी वितरण के लिए आवश्यक 10 जल टैंक (करीब 60 से 70 एमएलडी क्षमता) के निर्माण तथा संबंधित जलवाहिनियों और सहायक कार्यों का ठेका मेसर्स ईगल इंफ्रा इंडिया लिमिटेड को दिया गया है। बैठक में कंपनी को निर्देश दिए गए कि अगस्त 2026 के अंत तक सभी आवश्यक जलवाहिनियां और सहायक निर्माण कार्य पूर्ण किए जाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि ठेकेदार की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो उसे गंभीरता से लेते हुए नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

2017 में हुआ था भूमिपूजन, 34 महीने में पूरा करने का था दावा

गौरतलब है कि 10 जुलाई 2017 को तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीरा रोड पूर्व स्थित एस.के. स्टोन के निकट आयोजित कार्यक्रम में सूर्या प्रादेशिक जलापूर्ति योजना का भूमिपूजन किया था। उस समय घोषणा की गई थी कि योजना को 34 महीनों में पूरा कर शहर को 24 घंटे पानी उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत मीरा- भायंदर शहर को 218 एमएलडी अतिरिक्त जलापूर्ति मिलनी है, लेकिन भूमिपूजन के लगभग 9 वर्ष बाद भी परियोजना पूरी नहीं हो सकी है।

मंजूरी 211 एमएलडी की, लेकिन मिल रहा 185 से 190 एमएलडी पानी

वर्तमान में मीरा-भायंदर शहर को स्टेम प्राधिकरण से 86 एमएलडी तथा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) से 125 एमएलडी जलापूर्ति की मंजूरी प्राप्त है। इस प्रकार कुल 211 एमएलडी पानी स्वीकृत है, लेकिन वास्तव में शहर को प्रतिदिन औसतन 185 से 190 एमएलडी जलापूर्ति ही हो पा रही है। इसी कारण कई क्षेत्रों में अघोषित जलकटौती और पानी की कमी की समस्या लगातार बनी हुई है।

बढ़ती आबादी के साथ बढ़ेगी पानी की जरूरत

मनपा ने आगामी 20 वर्षों की अनुमानित जनसंख्या और जल आवश्यकता का आकलन किया है। इसके अनुसार शहर में पानी की मांग तेजी से बढ़ने वाली है। मनपा का दावा है कि वर्तमान और प्रस्तावित जल योजनाओं के पूर्ण होने के बाद शहर में पानी की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

लोगों को सूर्या प्रकल्प से बड़ी उम्मीद

होलसेल ग्रेन शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सोहनभाई वैष्णव ने कहा, कि दिन-प्रतिदिन पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। सूर्या प्रकल्प से जल आपूर्ति शुरू होने के बाद शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और वर्षों पुरानी पानी की किल्लत दूर होगी। वहीं अग्रवाल सेवा समिति के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले 9 वर्षों से मीरा- भायंदर के लोग सूर्या प्रकल्प के पानी का इंतजार कर रहे हैं। अघोषित जलकटौती और पानी की कमी से लोग परेशान हैं। इस परियोजना से जल्द से जल्द जलापूर्ति शुरू की जानी चाहिए। 9 वर्ष की देरी के बाद अब प्रशासन ने अगस्त 2026 की नई समयसीमा तय की है। यदि निर्धारित समय में जलाशय, जलवाहिनियों और वितरण नेटवर्क का काम पूरा हो जाता है तो मीरा-भायंदर को 218 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिल सकेगा, जिससे शहर की वर्षों पुरानी जल संकट की समस्या को काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

शॉर्ट स्टोरी

परिवर्तन पैनल अधिकृत : कपिल पाटील

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

ठाणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक चुनाव को लेकर भाजपा-शिवसेना महायुति के परिवर्तन पैनल पर उठ रहे सवालों के बीच पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और पैनल प्रमुख कपिल पाटील ने स्पष्ट किया है कि पैनल का गठन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, वन मंत्री गणेश नाईक तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर किया गया है। मुरबाड में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पाटील ने कहा कि परिवर्तन पैनल की घोषणा के बाद प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने ऑनलाइन बैठक लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश दिए थे। इसके बावजूद कुछ लोग भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी को कोई संदेह हो तो वह सार्वजनिक आरोप लगाने के बजाय सीधे प्रदेशाध्यक्ष से चर्चा करे। पाटील ने कहा कि पैनल की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, रविंद्र चव्हाण और गणेश नाईक के साथ चर्चा के बाद की गई थी। उन्होंने दावा किया कि परिवर्तन पैनल पूरी तरह अधिकृत है और उसे महायुति नेतृत्व का समर्थन प्राप्त है। कपिल पाटील ने सहकार पैनल के सीट बंटवारे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ठाणे जिले में अधिक मतदाता होने के बावजूद वहां केवल एक सीट दी गई, जबकि पालघर को छह सीटें आवंटित की गई हैं।

पर्स चोरी का खुलासा, चोर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के तहत नालासोपारा आरपीएफ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए महिलाओं के पर्स चोरी के दो मामलों का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी वसई के हवाले किया गया है।आरपीएफ निरीक्षक लोकेश यादव के मार्गदर्शन में आरपीएफ जवान विनोद कुमार, एमएसएफ जवान कपिल तथा एसआईपीएफ सुभाषचंद यादव की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और फेस रिकग्निशन सिस्टम की मदद से आरोपी आतिक राहिल शेख (29) को नालासोपारा रेलवे स्टेशन परिसर से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने दोनों चोरी की वारदातों को कबूल कर लिया। जांच में चोरी गए सोने के आभूषण और नकदी सहित करीब 40,050 रुपए मूल्य की संपत्ति से जुड़े दोनों मामलों का खुलासा हुआ। इसके बाद आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी वसई के सुपुर्द कर दिया गया।

मानसून से पहले स्वास्थ्य विभाग सतर्क

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

आगामी मानसून के दौरान डेंग्यू, मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस जैसी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए वसई-विरार शहर महानगरपालिका अलर्ट मोड पर आ गई है। इसी उद्देश्य से विरार पश्चिम स्थित मनपा मुख्यालय के महापौर सभागार में मानसून पूर्व तैयारियों और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महापौर अजीव यशवंत पाटील ने की। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए महानगरपालिका और निजी चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय तथा निरंतर संवाद आवश्यक है। बैठक में आईएमए वसई-विरार शाखा सहित नालासोपारा और नायगांव क्षेत्र के विभिन्न डॉक्टर संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, निजी अस्पतालों और क्लीनिकों को डेंग्यू, मलेरिया तथा लेप्टोस्पायरोसिस के मामलों की शीघ्र पहचान और उपचार के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बाढ़ और अन्य आपात परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं सक्रिय रखने पर जोर दिया गया।

अज्ञात व्यक्ति की पहचान की अपील

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

ठाणे जिले के उल्हासनगर में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत के बाद पुलिस उसकी पहचान और परिजनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में मध्यवर्ती पुलिस थाने ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 34 वर्षीय अजय गुलाबचंद साहू ने 12 अप्रैल 2026 को सूचना दी थी कि लगभग 40 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति बेहोशी की हालत में मटका चौक, क्रांतिनगर, ईगल रीजेंसी के पास मिला था। उसे तत्काल उपचार के लिए मध्यवर्ती अस्पताल, उल्हासनगर में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, संबंधित व्यक्ति की मौत दुर्घटनावश हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि अब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और न ही उसके किसी परिजन का पता चल पाया है। मध्यवर्ती पुलिस थाना मृतक की शिनाख्त के लिए प्रयास कर रहा है। पुलिस ने मृतक का फोटो भी जारी किया है और नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी हो तो वे तत्काल मध्यवर्ती पुलिस थाने से संपर्क करें, ताकि मृतक की पहचान कर उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। पुलिस का कहना है कि आम नागरिकों के सहयोग से मृतक की पहचान स्थापित करने में मदद मिल सकती है और उसके परिवार को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा सकेगी।

एकादशी के पावन पर्व पर श्री पुरुषोत्तम को तुलशीपत्र अर्पण कार्यक्रम संपन्न

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भाजपा दक्षिण मुंबई उपाध्यक्ष अतीत रांदेरीआ एवं मुंबादेवी विधानसभा माजी उपाध्यक्ष अल्पा रांदेरीआ द्वारा भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी के सफल कार्यकाल के १२ वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष्य में और उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए पवित्र पुरुषोत्तम महीने की परमा एकादशी के पावन पर्व पर स्थानिक महिलाओं के लिए (नि:शुल्क) भगवान श्री पुरुषोत्तम को तुलशीपत्र अर्पण, विष्णु सहस्त्र नामावली पुस्तिका वितरण, दीप दान, एवं अल्पोपहार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महानगरपालिका सी और डी विभाग के नगर सेवक चेयरमैन आकाश राजपुरोहित, पूर्व नगरसेवक एवं कोलाबा विधानसभा के मंडल अध्यक्ष जनक संघवी, मुंबादेवी विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष प्रेमकुमार शर्मा, मुंबादेवी विधानसभा वार्ड क्र. २२० के महिला मोर्चा के मां.अध्यक्ष शिल्पा पीठवा, मा. उपाध्यक्ष मयूरी दवे, एससीएसटी सैल के माजी अध्यक्ष रमेश खैरे उपस्थित रहे।

मुंबई में जल संकट की आशंका

18 हजार कुओं के पुनर्जीवन की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े ने शहर में जल प्रबंधन, सड़क रखरखाव, यातायात व्यवस्था और मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ गुरूवार को बैठक की। उन्होंने कहा कि मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाले बांधों में जल संग्रहण कम हुआ है और मौसम विभाग ने भी मानसून के देर से आने की संभावना जताई है। इसलिए कुओं को पुनर्जीवित किया जाएगा। बता दें कि शहर में पानी की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मौजूदा समय में शहर के लोगों को 4600 एमएलडी से अधिक पानी की आवश्यकता है, लेकिन विभिन्न कारणों से केवल 4 हजार एमएलडी के आसपास हो पानी की सप्लाई प्रतिदिन की जाती है।

जल संचय जैसे प्लान नहीं कर पाई है लागू

इस वर्ष अल नीनो की वजह से बारिश देरी से होने की संभावना है और औसत से कम बारिश हो सकती है। बीएमसी ने पहले ही 10 प्रतिशत की यानी की कटौती लागू कर दी है। टैंकर एसोसिएशन के हड़ताल से राज्य सरकार भी बैकफुट पर आ गई थी। हालात बिगड़ता देख एक बार फिर बीएमसी ने अपने झोले में से पुराना झुनझुना लेकर बजाया है। बीएमसी का कहना है कि अब शहर की सभी सार्वजनिक, सरकारी और निजी कुओं का सर्वेक्षण कर उनका पुनर्जीवन किया जाए तथा वर्षा जल संचयन और रिचार्ज की व्यवस्था विकसित की जाए सवाल यह है कि आखिर कुओं के पुनर्जीवन का फैसला पहले क्यों नहीं लिया गया? बीएमसी किस मुहूर्त का इंतजार कर रही थी। हर वर्ष गर्मी में जल संकट उत्पन्न होने के बाद ही बीएमसी बैठक क्यों करती है? गौरतलब है कि वर्षा जल संचयन जैसे प्लान बीएमसी अब तक लागू नहीं कर पाई है। कई वर्षों से सिर्फ मुंबईकरों को लॉलीपॉप पकड़ाया जा रहा है। बता दें कि मुंबई में 18 हजार से अधिक कुआं है, गर्मियों में पानी की कमी की वजह से अवैध तरीके से कुओं से पानी निकाले जाने की शिकायतें भी सामने आती है। कुओं से पानी निकालने के लिए संबंधित व्यक्ति को बीएमसी से एनओसी लेना पड़ता है।

गड्ढों की शिकायतें 24 घंटे में सुलझाने के निर्देश

आयुक्त ने निर्देश दिया कि गड्ढों से संबंधित शिकायतों का 24 घंटे के भीतर निपटारा किया जाए। साथ ही जिन सड़कों का कांक्रीटीकरण कार्य पूरा हो चुका है, वहां से मलबा, निर्माण सामग्री और बैरिकेड तत्काल हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भी नालों की सफाई का कार्य लगातार जारी रहना चाहिए।

‘वह हमारी सदस्य नहीं’

● एमबीबीएस छात्रा सेजल पवार के वीडियो विवाद पर केईएम एमएआरडी का बड़ा बयान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल के एक एमबीबीएस छात्रा द्वारा एक कॉमेडी शो के दौरान की गई टिप्पणियों ने हाल ही में गहरा विवाद उत्पन्न कर दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब छात्रा ने मानव शवों और शरीर दान करने वाले लोगों के प्रति कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से असंवेदनशील और अपमानजनक माना गया। वायरल वीडियो के बाद कई डॉक्टरों और आम नागरिकों ने इसे शरीर दान करने वालों का अपमान बताया है।

केईएम एमएआरडी की आधिकारिक प्रतिक्रिया और स्पष्टीकरण

इस बढ़ते विवाद के बीच, केईएम के रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट की है। संगठन ने प्राथमिक तौर पर यह जानकारी दी कि वह छात्रा केईएम एमएआरडी का सदस्य नहीं है, क्योंकि उनकी सदस्यता केवल रेजिडेंट डॉक्टरों और स्नातकोत्तर (पीजी) ट्रेनी तक सीमित होती है।

पेशेवर मयार्दा और नैतिक मूल्य

एमएआरडी ने अपने बयान में चिकित्सा पेशे की गरिमा को रेखांकित किया है। संगठन के अनुसार, चिकित्सा समुदाय शरीर दान करने वालों के प्रति सर्वोच्च सम्मान और व्यावसायिक आचरण के उच्चतम मानकों का पालन करता है। छात्रा द्वारा की गई टिप्पणियां न केवल अनुचित थीं, बल्कि वे उन नैतिक मूल्यों के भी विरुद्ध थीं जो एक चिकित्सा पेशेवर से अपेक्षित होते हैं। एमएआरडी का मानना है कि इन टिप्पणियों ने स्वाभाविक रूप से जनता की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है।

उत्पीड़न और भेदभाव पर संगठन का रुख

संबंधित छात्रा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। केईएम एमएआरडी ने स्पष्ट किया कि यद्यपि वे छात्रा की विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं करते, लेकिन वे छात्रा के खिलाफ हो रहे व्यक्तिगत हमलों, ऑनलाइन गाली-गलौज और लक्षित उत्पीड़न को भी उचित नहीं मानते। संगठन ने इस बात पर विशेष आपत्ति जताई कि इस विवाद को छात्रा के आरक्षण कोटे के माध्यम से हुए प्रवेश जैसे असंबंधित विषयों से जोड़ा जा रहा है, जिसे उन्होंने पूरी तरह गलत बताया है।

सामाजिक संवाद सम्मानजनक संतुलित और मानवीय बना रहे

एमएआरडी का मानना है कि किसी भी सार्वजनिक चर्चा को निष्पक्ष, जिम्मेदार और केवल संबंधित घटना तक ही सीमित रहना चाहिए। मेडिकल समुदाय जवाबदेही, आत्मचिंतन और सीखने की प्रक्रिया का समर्थन करता है, लेकिन इसके साथ ही यह भी अनिवार्य है कि सामाजिक संवाद सम्मानजनक, संतुलित और मानवीय बना रहे। यह घटना याद दिलाती है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ-साथ पेशेवर और सामाजिक मर्यादाओं का पालन करना भी अत्यंत आवश्यक है।

केईएम अस्पताल ने जांच के लिए बनाई कमेटी

कमीडियन प्रणीत मोरे के शो में मुंबई के प्रतिष्ठित केईएम अस्पताल की एमबीबीएस थर्ड-ईयर की छात्रा सेजल पवार द्वारा दिए गए एक बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। मामला इतना बढ़ गया कि अस्पताल प्रशासन को तत्काल जांच के आदेश देने पड़े और पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है। जानकारी के अनुसार, यह विवाद प्रणीत मोरे के एक लाइव शो से शुरू हुआ। शो में दर्शकों के बीच बैठीं सेजल पवार से प्रणीत ने मेडिकल कॉलेज की पढ़ाई और एनाटॉमी से जुड़ी बातों पर चर्चा की। इसी दौरान सेजल पवार ने कथित रूप से ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि उन्होंने मेडिकल शिक्षा के दौरान उपयोग किए जाने वाले दान किए गए शवों के अंगों को लेकर मजाक किया। वायरल वीडियो में सेजल पवार को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वे और उनके कुछ साथी मेडिकलरिसर्च और डिसेक्शन के लिए दान किए गए पुरुषों के शवों के प्राइवेट पार्ट्स को देखते और उनका मजाक उड़ाते थे। वीडियो वायरल होने के बाद मामला तेजी से फैल गया और केईएम अस्पताल प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अस्पताल के डीन हरीश पाठक ने कहा कि सेजल पवार के स्टैंड-अप शो के दौरान दिए गए बयान के विवाद पर उचित कार्रवाई की जा रही है। हमने दो सदस्य वाली स्पेशल कमेटी बनाई है, जिसमें अंडरग्रेजुएट हॉस्टल की वार्डन और बायोकेमिस्ट्री विभाग की एचओडी डॉ.अनीता चालक और मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर और सोशल मीडिया मैनेजमेंट से जुड़ी डॉ.श्रद्धा मोरे को शामिल किया गया है। यह कमेटी वीडियो की समीक्षा करेगी।

किसान की पसंद का बैल खरीदकर देंगे फडणवीस

बीमार बैल की पोल खुलने पर मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ लातूर

लातूर जिले के भूमिहीन किसान काशीनाथ गायकवाड़, जिनकी लाचारी की तस्वीर ने पूरे देश को झकझोर दिया था, उन्हें अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि किसान को स्वयं बाजार ले जाकर उनकी पसंद का एक स्वस्थ और सक्षम बैल दिलाया जाए।

मजबूरी की वह वायरल तस्वीर

यह मामला लातूर जिले के देवनी तालुका के बोंबली गांव का है। काशीनाथ गायकवाड़ एक भूमिहीन खेतिहर मजदूर हैं, जो बटाई पर खेती कर अपने छह बच्चों का पेट पालते हैं। हाल ही में बेमौसम बारिश के दौरान बिजली गिरने से उनके एक बैल की मौत हो गई थी। बुवाई का समय सिर पर था और नया बैल खरीदने के पैसे नहीं थे, जिसके कारण उनकी पत्नी हौसाबाई ने खुद बैल की जगह जुए को अपने कंधे पर रख लिया और अपने पति के साथ खेत जोतने लगीं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री ने तुरंत मदद के निर्देश दिए थे।

जब सरकारी मदद बनी आफत

प्रशासन ने आनन-फानन में 10 जून को एक स्थानीय गौशाला से एक बैल का इंतजाम कर गायकवाड़ परिवार को सौंपा, लेकिन यह मदद विवादों में घिर गई। परिजनों का आरोप था कि अधिकारियों ने केवल औपचारिकता पूरी की। वह बैल इतना कमजोर और कुपोषित निकला कि खेत में हल से जोड़ते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। पशु चिकित्सकों ने भी पुष्टि की कि बैल खेती करने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम नहीं है। इस घटना को लेकर विपक्षी नेताओं, जिनमें रोहित पवार और विजय वडेट्टीवार शामिल हैं, ने सरकार पर शोबाजी करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री का नया आदेश

■ इस विवाद के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं संज्ञान लिया। एक वीडियो बयान में उन्होंने कहा कि यह परिवार भूमिहीन है और दूसरों के खेत में बटाई पर काम करता है। मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि उन्हें खबर मिली है कि दिया गया बैल उपयुक्त नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने जिला कलेक्टर को आदेश दिए हैं कि किसान को बाजार ले जाया जाए और उनकी पसंद का बैल उन्हें लेकर दिया जाए।

■ प्रशासन ने अब अपनी गलती सुधारते हुए किसान को बैल खरीदने के लिए 50,000 रुपए की अतिरिक्त नकद सहायता भी प्रदान की है। फिलहाल काशीनाथ अगले साप्ताहिक बाजार का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे एक मजबूत बैल खरीद सकें और अपनी खेती का काम फिर से सम्मान के साथ शुरू कर सकें।

अनाथ और बेसहारा बच्चों को मिलेंगे 2500 महीना

जानिए बालसंगोपन योजना की पूरी प्रक्रिया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संकटग्रस्त, अनाथ और बेसहारा बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके विकास के लिए 'क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले बालसंगोपन योजना' चलाई जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को सुरक्षा, आश्रय और एक बेहतर भविष्य देना है।

क्या है बालसंगोपन योजना का मुख्य उद्देश्य?

इस योजना का मुख्य उद्देश्य 0 से 18 साल की उम्र के अनाथ, बेसहारा, बिना सहारे वाले और बेघर बच्चों को जिन्हें सुरक्षा और आश्रय की जरूरत है उन्हें संस्थागत देखभाल के बजाय वैकल्पिक पारिवारिक देखभाल देना है, ताकि उनका पालन-पोषण और विकास किसी संस्था के बजाय पारिवारिक माहौल में हो सके। आमतौर पर बेसहारा बच्चों को संस्थागत देखभाल में भेज दिया जाता है, जहां उन्हें पारिवारिक स्नेह की कमी महसूस हो सकती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने 'संस्थागत देखभाल के बजाय वैकल्पिक पारिवारिक देखभाल' की नीति अपनाई है। इस योजना के तहत बच्चों को ऐसे पोषक परिवारों को सौंपा जाता है जो उनका पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह कर सकें, जिससे बच्चे अकेलेपन या असुरक्षा की भावना से बच सकें।

बालसंगोपन योजना के लिए कौन से बच्चे पात्र हैं?

इस कल्याणकारी योजना का लाभ बच्चे अनाथ, बेसहारा या बेघर, जिनके माता-पिता किसी लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं या जेल में हैं उन्हें मिलता है। ऐसे बच्चों को उनकी परवरिश के लिए सीधे वैकल्पिक परिवारों में रखा जा सकता है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन लड़के और लड़कियों को सीधे एक वैकल्पिक या पोषक परिवार की देखरेख में संगोपन (पालन-पोषण) के लिए रखा जा सकता है, ताकि वे अकेलेपन या असुरक्षा का शिकार न हों।

हर महीने मिलेगी 2500 की वित्तीय सहायता

क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले बालसंगोपन योजना के तहत जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा कुल 2500 रुपए प्रति माह का अनुदान दिया जाता है। इस वित्तीय सहायता में प्रत्येक लाभार्थी बच्चे के लिए 2250 रुपए प्रति माह व संबंधित देखरेख संस्था के लिए 250 प्रति माह का अनुदान दिया जाता है। यह अनुदान राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाती है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

बालसंगोपन योजना का आवेदन कैसे करें?

महाराष्ट्र सरकार के सूचना और जनसंपर्क निदेशालय ने क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले बालसंगोपन योजना का लाभ उठाने या पात्र बच्चों का पंजीकरण कराने के लिए नागरिकों को अपने जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क करने की अपील की है।

ऐप-आधारित टैक्सी कंपनियों पर सरकार सख्त

मनमाने किराए और राइड कैंसिलेशन की होगी जांच

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राज्य सरकार ने ऐप-आधारित टैक्सी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने, अतिरिक्त टिप की मांग करने और बिना कारण यात्रा रद्द करने जैसी बढ़ती शिकायतों के बीच सरकार ने संबंधित कंपनियों की कार्यप्रणाली की जांच के निर्देश दिए हैं। यह मामला तब चर्चा में आया जब कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे ने यात्रियों के शोषण का मुद्दा सरकार के समक्ष उठाया। शिंदे ने कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों, विशेषकर मुंबई महानगर क्षेत्र में, ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं का उपयोग करने वाले यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अतिरिक्त भुगतान के लिए दबाव

यात्रियों की शिकायत है कि चालक निर्धारित किराए से अधिक राशि की मांग करते हैं, अतिरिक्त भुगतान के लिए दबाव बनाते हैं और कई बार बुकिंग स्वीकार करने के बाद अंतिम समय में यात्रा रद्द कर देते हैं। इससे यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ती है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने परिवहन विभाग को स्थिति की समीक्षा करने और आवश्यक नियामकीय कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सरकार का मानना है कि ऑनलाइन टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों के संचालन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि यात्रियों के अधिकारों की रक्षा की जा सके, परिवहन विभाग अब विभिन्न शिकायतों का परीक्षण कर रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना पर विचार कर रहा है।

गिरगांव चौपाटी से मछुआरों की नावें जब्त

कोली समाज में रोष, कार्रवाई पर उठे सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

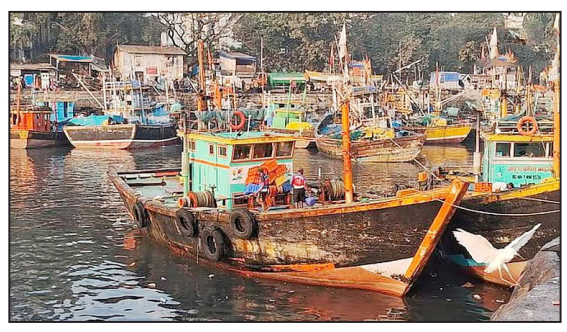

मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर मानसून के दौरान सुरक्षा के लिए खड़ी की गई स्थानीय मछुआरों की नावों को महानगरपालिका द्वारा जब्त किए जाने से कोली समाज में नाराजगी फैल गई है। इस कार्रवाई के विरोध में वॉचडॉग फाउंडेशन ने राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई और नावों को हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है।

मानसून में समुद्र में जाने पर रहती है रोक

हर वर्ष मानसून के दौरान समुद्र में मछली पकड़ने पर कानूनी प्रतिबंध लागू रहता है। ऐसे समय में लाइसेंसधारी मछुआरे अपनी नावों को सुरक्षा की दृष्टि से समुद्र तट पर खड़ा कर देते हैं। यह परंपरा कई दशकों से चली आ रही है और प्रशासन भी इससे भलीभांति परिचित है। समुद्र में जाने पर रोक होने के कारण मछुआरों के पास नावें किनारे रखने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होता।

बिना सूचना की गई कार्रवाई

आरोप है कि महानगरपालिका ने गुरुवार को बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक कार्रवाई करते हुए नावों को जब्त कर लिया। मछुआरों का कहना है कि कार्रवाई के दौरान नावों को लापरवाही से हटाया और ले जाया गया, जिससे कई महंगी नावों को नुकसान पहुंचा हो सकता है। इस कारण मछुआरों में भारी असंतोष व्याप्त है।

पालिका ने दी सफाई

'डी' वार्ड के सहायक आयुक्त संतोष सालुंखे ने बताया कि राज्य मत्स्य व्यवसाय विभाग द्वारा हाल ही में समुद्र तटों पर खड़ी नावों का निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान गिरगांव चौपाटी पर खड़ी नौ नावें बिना वैध लाइसेंस की पाई गईं। इसी आधार पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

सरकार से हस्तक्षेप की मांग

वॉचडॉग फाउंडेशन के ट्रस्टी एडवोकेट गॉडफ्रे पिमेंटा ने राज्य सरकार को भेजे पत्र में कहा है कि यह कार्रवाई मछुआरों के आजीविका के अधिकार का उल्लंघन है। उनका कहना है कि मुंबई के मूल निवासी कोली समुदाय के लिए मछली पकड़ना केवल रोजगार नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति और जीवन का आधार भी है। फाउंडेशन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

चंद्रपुर मनपा में कांग्रेस में बढ़ी गुटबाजी

वडेट्टीवार गुट को बड़ा झटका

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

चंद्रपुर महानगर पालिका में कांग्रेस पार्षदों के बीच दरार पड़ने से कांग्रेसी नेता विजय वडेटटीवार के खेमे में खलबली मच गई है। मनपा में कांग्रेस के प्रतिभा धानोरकर समर्थक कुछ पार्षद फिलहाल अज्ञात स्थल पर रवाना हुए है, जिनमें वडेटटीवार गुट के कुछ पार्षद शामिल होने से राजनीतिक क्षेत्र में हलचल मच गई है। स्थानीय मनपा में कांग्रेस के कुल 27 पार्षद है, जिनमें वडेट्टीवार समर्थित पार्षदों की संख्या 15 जबकि धानोरकर समर्थित पार्षदों की संख्या 12 थीं। यह स्थिति मनपा चुनाव के बाद उभरकर आयी थी। बताया जाता है कि, मनपा में धानोरकर समर्थित पार्षदों का एक गुट इन दिनों अज्ञात स्थल पर पर्यटन के लिए रवाना हुआ है। खास बात यह है कि, जो पार्षद फिलहाल अज्ञात स्थल पर घूमने गए है, उनकी संख्या 15 बताई जा रही है, अर्थात धानोरकर समर्थित पार्षदों में वडेट्टीवार समर्थित कुछ पार्षद भी शामिल हुए है। यह भी बताया जा रहा है भी धानोरकर गुट में शामिल होने को उत्सुक है। और यह सारी कवायद मनपा में कांग्रेस के वर्तमान गुट नेता राजेश अडूर को पद से बाहर करने के उद्देश्य से की जा रही है। अडूर यह वडेटटीवार गुट के कट्टर समर्थक माने जाते है। गौरतलब है कि मनपा चुनाव की घोषणा के बाद से ही यहां वडेट्टीवार और धानोरकर गुट में घमासान देखने मिला है। प्रत्याशियों के नामों का चयन से लेकर शुरू हुई यह अंदरूनी लड़ाई चुनाव के बाद सत्ता काबिज करने के लिए एकदूसरे के समर्थित पार्षदों को भगाकर ले जाने तक पहुंच गई थी। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद इस कदर बढ़ गया था कि, उसे सुलझाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के पसीने छूट गए थे, अंततः विवाद सुलझाने में नाकाम रहे सपकाल ने हाथ खड़े कर दिए थे। दोनों के बीच का यह विवाद अंततः कांग्रेस के दिल्ली हाईकमान तक पहुंचा था।

मुझे हटाने की साजिश नाकाम होगी: अडूर

इस बीच मनपा में कांग्रेस गुट नेता राजेश अडूर ने कहा कि, मुझे पद पर से हटाने की कांग्रेस पार्षदों की साजिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि, अपनी ही पार्टी के कुछ पार्षद मुझे गुट नेता पद से हटाने की साजिश के तहत लामबंद हो रहे है। कुछ पार्षद बीती रात से नॉट रिचेबल आ रहे है। यह सभी पार्षद अज्ञात स्थल पर होने तथा अपने मोबाइल स्विच ऑफ किये हुए होने की जानकारी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि, सिर्फ वे दलित समाज के होने से ही उन्हें गुट नेता पद से हटाने के प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि, भले ही उनके कुछ समर्थित पार्षद दूसरे गुट में शामिल हो गए हो, किंतु अब भी वे उनके संपर्क में है।

देश को बचाने के लिए कांग्रेस जरूरी

नाना पटोले की दो टूक- यह बात सभी को समझ आ गई है

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्र सरकार पर दिल्ली दौरे से पहले निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है। देश को कांग्रेस ही बचा सकती है और ये बात विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दलों को समझ आ गई है इसलिए वो कांग्रेस के साथ आ रही हैं। दिल्ली में कांग्रेस की सभी राज्य इकाइयों के प्रमुखों की बैठक चल रही हैं। पार्टी आलाकमान ने राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख नाना पटोले को इस बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया है। इस बुलावे के बाद नाना पटोले दिल्ली जाने वाले हैं, लेकिन उनके इस दौरे से पहले उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

केंद्र पर साधा निशाना

नाना पटोले से सवाल किया गया कि तृणमुल कांग्रेस के कांग्रेस पार्टी में विलय की खबरें हैं और ऐसा ही कुछ एनसीपी को लेकर भी चर्चा है। इसपर नाना पटोले ने कहा, राकांपा की ओर से यह प्रस्ताव पहले से ही मौजूद था। पहले ही सबको लगता है कि जिस तरह से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है, संविधान की भावना को नुकसान पहुंचाया है और देश की संपत्तियों को बेचने का काम किया है। उससे देश को बचाने की जरूरत है। कांग्रेस के साथ ही देश बच सकता है। ये बात देश के क्षेत्रीय दलों को समझ आ गया है। यही वजह है कि विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दल अब कांग्रेस के साथ आने की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

देश को बचाने के लिए कांग्रेस का साथ जरूरी

पटोले ने आगे कहा कि चाहे ममता बनर्जी हों, शरद पवार हों या धर्मनिरपेक्ष राजनीति का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य दल ही क्यों न हो सभी का मानना है कि देश को बचाने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रक्रिया अब शुरू हो चुकी है। बता दें कि भारत टीएमसी और कांग्रेस के संभावित विलय को लेकर चर्चा तेज है। इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में भी राकांपा (शरद पवार) को लेकर भी चर्चा है। हालांकि, कांग्रेस ने सफाई दी थी कि ये खबरें बेबुनियाद हैं और विलय का कोई प्रस्ताव या योजना फिलहाल नहीं है। हालांकि, विपक्षी दलों के बीच आईएनडीआईए गठबंधन के तहत सहयोग जारी है।

हिंदमाता एंकर: मुंबई में बढ़ा बाढ़ का खतरा

10 जून की डेडलाइन भी चूकी, मीठी नदी में गाद और कचरा बरकरार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मीठी नदी सहित शहर के सभी बड़े व छोटे नालों की सफाई करने की समय सीमा पहले बीएमसी ने 31 मई तय की थी, लेकिन सफाई पूरी तरह नही हो पाई तब जाकर बीएमसी ने 10 जून तक मीठी नदी व नालों की सफाई का टारगेट रखा, लेकिन अब यह समय भी बीत गया है लेकिन सफाई व गाद निकालने का कार्य पूरा नही हुआ है। बीएमसी प्रशासन के मुताबिक, मीठी नदी से गाद निकालने का कार्य 84 प्रतिशत पूरा हो गया है। समयसीमा बीत जाने के बावजूद नदी के कई हिस्से अब भी कचरे, मलबे और जमी हुई गाद से भरे हुए हैं। मानसून के मुख्य दौर की शुरूआत से ठीक पहले नदी की यह स्थिति मुंबई की बाढ़-रोधी तैयारियों और बीएमसी की योजना पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्राउंड पर जाने के बाद पता चला कि मीठी नदी के कई स्थानों पर काम अधूरा पड़ा है। सबसे संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्रों में भी न तो मजदूर दिखाई दिए और न ही मशीनरी।

कुर्ला क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक

अप्रैल महीने में लगभग 30 करोड़ रुपए का यह ठेका 'प्रशांत लाड और तुलजा भवानी कंस्ट्रक्शन्स' को दिया गया था। अनुबंध के अनुसार 10 जून तक गाद निकासी का कार्य पूरा होना अनिवार्य था, लेकिन ठेकेदार समयसीमा का पालन करने में विफल रहा है। विशेष रूप से कुर्ला क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। वर्ष 2005 की विनाशकारी बाढ़ को झेल चुके स्थानीय नागरिकों में फिर से भय का माहौल है। नगरसेविका सईदा खान ने नाराजगी जताते हुए कहा कि शुरूआती दौर में जितना काम हुआ था, उसके बाद प्रगति लगभग रुक गई है। वहीं कांग्रेस के गटनेता आजमी ने सवाल उठाया कि मीठी नदी के चौड़ीकरण, गाद निकासी और सुरक्षा दीवारों पर हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद स्थिति में सुधार क्यों नहीं हुआ?

सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) क्षेत्र में भी नदी के मुहाने पर बदहाल स्थिति देखने को मिली। सुरक्षा दीवारें क्षतिग्रस्त हैं और निकाली गई गाद नदी किनारे ही छोड़ दी गई है, जिससे बारिश के दौरान उसके दोबारा नदी में बह जाने की आशंका है।

अधूरे कार्यों के कारण स्थिति गंभीर, स्थानीय नागरिक नाराज

कई स्थानों पर झाड़ियां उग आने से जल प्रवाह बाधित हो रहा है, जिससे जलभराव और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वास्तविक स्थिति विपरीत है। लगभग 22 किलोमीटर लंबी मिठी नदी मुंबई की वर्षा जल निकासी की प्रमुख धारा है। ऐसे में यदि आने वाले दिनों में भारी बारिश होती है, तो अधूरे कार्यों के कारण मुंबई को एक बार फिर बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

विचार प्रवाह

एक आवारा, एक सज्जन, एक कवि, एक सपने देखने वाला, एक अकेला आदमी, हमेशा रोमांस और रोमांच की उम्मीद करते है।
- चार्ली चैपलिन

संपादकीय

सशक्तीकरण के दावे हकीकत भी बनें

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं। हाल के दिनों में दहेज हत्या के कई बहुचर्चित मामले प्रकाश में आए। एक लड़की की पढ़ाई से लेकर शादी तक मां-बाप काफी खर्च करते हैं, फिर दहेज देने की जरूरत क्यों? छोटी-छोटी बातों में महिलाओं से मारपीट की खबरें आती हैं। वहीं अदिवासी व पिछड़े इलाकों में महिलाओं को डायन बताकर मारने की घटनाएं सामने आती हैं। हमारा समाज आज भी अंधविश्वासों और जादू-टोने के भय से मुक्त नहीं हुआ है। जिसके चलते महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले सामने आते हैं। सर्वेक्षण का यह तथ्य चौंकाता है कि 18 से 49 आयु वर्ग की विवाहिताओं में बाईस फीसदी को वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा है। हालांकि, समय के साथ हिंसा के आंकड़ों में गिरावट आई है, लेकिन इसके बावजूद स्थिति चिंता पैदा करती है। जो किसी सभ्य समाज के माथे पर एक दाग की तरह ही है। हमारी व्यवस्था की विसंगतियां, पुरुष प्रधान सोच और हिंसा रोकने के लिये बनाए गए कानूनों के क्रियान्वयन में खामियां महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने में बाधक हैं। जो सामाजिक विसंगति की ओर इशारा करता है। यदि समय रहते कानून प्रवर्तन एजेंसियां संवेदनशील ढंग से कदम उठायें तो महिलाएं खुद को घर-बाहर सुरक्षित महसूस कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किशोर अवस्था के दौरान यौन-हिंसा का शिकार होने का प्रतिशत शहरों के मुकाबले अधिक होना, ग्रामीण समाज में विद्रूपताओं को दशार्ता है। जरूरी है कि ग्रामीण समाज में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग किया जाए।

आज का इतिहास

■ 1420 - जलालुद्दीन फि रोजशाह दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
■ 1940 - जलियांवाला बाग हत्याकांड के समय पंजाब के गवर्नर रहे माइकल ओ डायर की हत्या कर उस हत्याकांड का बदला लेने वाले भारतीय ऊधमसिंह को लंदन में फांसी दे दी गई।
■ 1993 - किम कैंपबेल कनाडा की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
■ 1997 - दिल्ली के उपहार सिनेमाघर में आग लगने से 59 लोगों की मृत्यु हो गई तथा 100 से अधिक लोग घायल हो गए।
■ 2001 - नेपाल शाही परिवार हत्याकांड में दीपेन्द्र की प्रेमिका देवयानी का जांच आयोग के समक्ष गवाही से इन्कार।
■ 2002 - 1972 के एंटी बैलिस्टिक मिसाइल समझौते की समय सीमा समाप्त।
■ 2003 - डेनियल अखमितोव कजाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।
■ 2004 - लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में राष्ट्रपति जोसेफ कबीला के खिलाफ तख्ता पलट का प्रयास विफल। ईराक के विदेश उपमंत्री बासम सालिह कुन्बा की हत्या।
■ 2005 - ईरान 2009 के अन्त से 25 वर्षों के लिए भारत को तरल प्राकृतिक गैस का निर्यात करने पर सहमत।
■ 2006 - नाइजीरिया और कैमरून ने सीमा विवाद पर समझौता किया।
■ 2008 -टेलिकॉम मलेशिया (टीम) ने आइडिया सेलुलर कम्पनी की 15% हिस्सेदारी खरीदी।
चीन और ताइवान ने विमान सेवा शुरू करने के सम्बन्ध में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किये।
■ 1994 - दीपिका कुमारी - भारतीय महिला तीरंदाज हैं।
■ 1964 - पीयूष गोयल - भारतीय जनता पार्टी के राजनेताओं में से एक हैं।
■ 1944 - बान की मून - संयुक्त राष्ट्र संघ के आठवें महासचिव थे।
■ 1923 - प्रेम धवन, हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर गीतकार
■ 2016 - मुद्राराक्षस - भारत के प्रसिद्ध लेखक, उपन्यासकार, नाटककार, आलोचक तथा व्यंग्यकार थे।
■ 2012 - मेहदी हसन - प्रसिद्ध गजल गायक
■ 2008 - कीर्ति चौधरी - तीसरे सप्तक की एकमात्र कवयित्री
■ 1999 - मेजर मनोज तलवार - भारतीय सेना के जाबांज सैनिकों में से एक थे।
■ 1999 - मेजर विवेक गुप्ता - 'महावीर चक्र' से सम्मानित भारत के जांबाज सैनिक थे।

राजस्थान से राज्यसभा में अनुभव, सादगी और समर्पण की नई तिकड़ी

नीरज डांगी, डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह गुर्जर का निर्विरोध निर्वाचन अनुभव, सादगी और संगठनात्मक विश्वास का प्रतीक

राकेश दुबे @ मुंबई

राजस्थान की राजनीति में राज्यसभा चुनाव प्रायः राजनीतिक गणित, रणनीति और शक्ति प्रदर्शन के लिए चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार का चुनाव एक अलग ही संदेश देकर गया। प्रदेश से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नीरज डांगी तथा भारतीय जनता पार्टी के डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह गुर्जर का निर्विरोध निर्वाचन केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, राजनीतिक विश्वसनीयता और संगठनात्मक स्वीकार्यता की भी सार्वजनिक स्वीकृति माना जा रहा है। 11 जून को निर्वाचन अधिकारी से विजय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के साथ ही तीनों नेताओं ने राज्यसभा की नई पारी का औपचारिक आगाज किया। खास बात यह रही कि तीनों उम्मीदवारों के सामने कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। राजनीतिक जानकार इसे उनकी व्यक्तिगत छवि, दलों के विश्वास और राजनीतिक स्वीकार्यता का प्रमाण मान रहे हैं।

नीरज डांगी : सौम्यता और संवाद की राजनीति का चेहरा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नीरज डांगी का लगातार दूसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित होना उनके राजनीतिक कद और विश्वसनीयता का परिचायक है। राजस्थान की राजनीति में डांगी को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है, जिनकी पहचान शोर-शराबे वाली राजनीति से नहीं, बल्कि सौम्य व्यवहार, संतुलित सोच और संवाद की संस्कृति से बनी है। राज्यसभा में अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजस्थान से जुड़े अनेक विषयों को प्रभावी ढंग से उठाया। चाहे किसानों के मुद्दे हों, युवाओं के रोजगार की चुनौतियां हों या प्रदेश के विकास से जुड़े विषय, डांगी ने अपनी बात तथ्यों और गंभीरता के साथ रखने की शैली विकसित की। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया। उनकी राजनीतिक यात्रा यह संदेश देती है कि राजनीति में विनम्रता, संयम और निरंतर संवाद भी उतने ही प्रभावी हथियार हो सकते हैं जितने कि आक्रामक भाषण। यही विशेषता उन्हें समकालीन राजनीति में अलग पहचान प्रदान करती है।

डॉ. सतीश पूनिया संगठन से संसद तक का लंबा अनुभव

■ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा पहुंचना अनुभव, संघर्ष और संगठनात्मक नेतृत्व की एक स्वाभाविक परिणति माना जा रहा है। छात्र राजनीति से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके डॉ. पूनिया लंबे समय से राजस्थान की राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने संगठन और जनसंपर्क दोनों क्षेत्रों में समान दक्षता दिखाई है। ग्रामीण राजस्थान की नब्ज को समझने वाले नेताओं में उनकी गिनती होती है। प्रशासनिक समझ, संगठनात्मक अनुभव और राजनीतिक परिपक्वता उन्हें राज्यसभा में राजस्थान की आवाज को और अधिक प्रभावी ढंग से रखने में सक्षम बनाएगी। डॉ. पूनिया का निर्विरोध निर्वाचन इस बात का भी संकेत है कि पार्टी नेतृत्व उनके अनुभव और राजनीतिक दृष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी मानता है। राज्यसभा में उनकी मौजूदगी राजस्थान के मुद्दों को नीति निर्माण की बहसों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

डॉ. अलका गुर्जर समर्पण, सादगी और संगठन की शक्ति

■ राज्यसभा के लिए पहली बार निर्वाचित हुईं डॉ. अलका सिंह गुर्जर की राजनीतिक यात्रा संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर सक्रियता की कहानी है। लंबे समय तक संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हुए उन्होंने कार्यकर्ता आधारित राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। भाजपा संगठन में उनकी पहचान एक ऐसी नेता की रही है, जिन्होंने बिना किसी विशेष प्रचार या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के संगठन के लिए लगातार काम किया। महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सरोकारों और संगठन विस्तार के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भूमिका को हमेशा सराहा गया है। राज्यसभा के लिए उनका चयन यह दशार्ता है कि भारतीय जनता पार्टी अपने समर्पित और मेहनती कार्यकताओं को उचित अवसर देने की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। उनकी नियुक्ति महिला नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

लोकतंत्र का सकारात्मक संदेश

■ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तीनों नेताओं का निर्विरोध निर्वाचन लोकतंत्र के उस सकारात्मक पक्ष को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत विश्वसनीयता, सार्वजनिक जीवन की स्वच्छ छवि और संगठन का विश्वास निर्णायक भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार के अनुसार, राजस्थान से निर्विरोध चुने गए तीनों सांसद अपनी सादगी, स्वच्छ छवि और जनस्वीकार्यता के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सम्मान प्राप्त करते हैं। वहीं राजस्थान की राजनीति के जानकार अरविंद चोटिया का कहना है कि तीन सीटों पर केवल तीन उम्मीदवार ही होने के कारण चुनाव निर्विरोध होना स्वाभाविक था। उन्होंने हल्के-फुल्के राजनीतिक व्यंग्य में कहा कि चौथा उम्मीदवार नहीं होने से विधायकों को मजा नहीं आया। वैसे, राजस्थान को राज्यसभा में इस बार जो प्रतिनिधित्व मिला है, उसमें अनुभव का संतुलन, सौम्यता की गरिमा और संगठनात्मक समर्पण की ऊर्जा तीनों का सुंदर संगम दिखाई देता है। नीरज डांगी की विनम्र राजनीतिक शैली, डॉ. सतीश पूनिया का व्यापक अनुभव और डॉ. अलका सिंह गुर्जर का संगठन के प्रति समर्पण आने वाले वर्षों में न केवल राज्यसभा की बहसों को समृद्ध करेगा, बल्कि राजस्थान की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर और अधिक प्रभावी स्वर भी प्रदान करेगा।

आंखनदेखी

दक्षिण अमेरिका की मूल प्रजाति की एक मीठे पानी की स्टिंगरे मछली तालाब में तैरती नजर आई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संभवतः किसी एक्वेरियम में पाली गई मछली है, जिसे बाद में छोड़ दिया गया। स्थानीय जलाशयों में ऐसी विदेशी प्रजातियों की मौजूदगी पर्यावरणीय संतुलन के लिए चिंता का विषय मानी जाती है।

सनबर्न और प्रशासन पर कार्रवाई की मांग

● दादर में नशा विरोधी संघर्ष अभियान का आंदोलन, वरली कॉन्सर्ट में युवक की मौत पर उठाए सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

गोरेगांव स्थित नेस्को में आयोजित म्यूज़िक कॉन्सर्ट में ड्रग्स के अत्यधिक सेवन से दो युवकों की मृत्यु होने की घटना से लेकर शिवड़ी के विवादित सनबर्न फेस्टिवल तक, पुलिस प्रशासन द्वारा बरती गई अक्षम्य लापरवाही के कारण अब वरळी के हाई-प्रोफाइल 'आउटवर्ल्ड' म्यूज़िक कॉन्सर्ट में एक और निर्दोष युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वरली स्थित 'एनएससीआई' डोम में युवक की मृत्यु तथा एक युवती के बेहोश हो जाने की घटना राज्य में बढ़ते नशे के जाल की भयावह सच्चाई को दशार्ती है। शिवड़ी और वरळी में आयोजित दोनों कार्यक्रमों के मुख्य आयोजक 'सनबर्न फेस्टिवल' के आयोजक तथा उनके स्थानीय सहयोगी 'स्टार स्टेज इवेंट्स' और 'ई वेंचर एक्स' होने की जानकारी सामने आ रही है। वरली में हुई इस मृत्यु के लिए जिम्मेदार लोगों, सनबर्न आयोजकों तथा उन्हें जानबूझकर संरक्षण देने वाले भ्रष्ट प्रशासन के विरुद्ध तत्काल गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए तथा 'सनबर्न फेस्टिवल' पर महाराष्ट्र में स्थायी प्रतिबंध लगाया जाए। इसी मांग 'नशा विरोधी संघर्ष अभियान' की ओर से श्रीमती धनश्री केलशीकर ने की` इस दृष्टि से 11 जून को दादर रेलवे स्टेशन के बाहर जनआंदोलन किया गया। इस आंदोलन में युवा, राष्ट्रप्रेमी नागरिक तथा विभिन्न हिंदुत्वनिष्ठ संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अनुमति पर सवाल

वरली स्थित इस संगीत कार्यक्रम को प्रारंभ में कानून एवं व्यवस्था के कारणों से पुलिस द्वारा अनुमति नहीं दी गई थी, किंतु बाद में उच्च स्तर से दबाव आने के पश्चात अनुमति दी गई हो, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है। इससे पहले शिवड़ी में आयोजित सनबर्न फेस्टिवल के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी मानसिक कष्ट सहना पड़ा था तथा युवा पीढ़ी ने सड़क पर उतरकर इसका तीव्र विरोध भी किया था, किंतु प्रशासन ने उस समय कोई ठोस कार्रवाई न करते हुए इन विवादित कार्यक्रमों को संरक्षण दिया। गोवा के 'सनबर्न फेस्टिवल' में ड्रग्स के अत्यधिक सेवन से अनेक युवाओं की मृत्यु होने का काला इतिहास तथा हिंदु जनजागृती समिति सहित विभिन्न संगठनों द्वारा वर्षों से प्रशासन को लिखित आपत्तियां दिए जाने के बावजूद केवल पैसों के आगे झुककर गोरेगांव और वरली में इन मौत की पार्टियों को जानबूझकर अनुमति क्यों दी गई, इसका उत्तर अब पुलिस और प्रशासन को देना ही होगा, ऐसा 'नशा विरोधी संघर्ष अभियान' की ओर से श्रीमती धनश्री केळशीकर ने आंदोलन को संबोधित करते हुए कहा।

युवा पीढ़ी की चिंता

छत्रपति शिवाजी महाराज की पवित्र एवं संस्कारित महाराष्ट्र भूमि में केवल पैसे के बल पर युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेलकर राज्य को पंजाब की तर्ज पर 'उड़ता महाराष्ट्र' बनाने के इस प्रयास को हम कभी सफल नहीं होने देंगे। प्रशासन के इस गैरजिम्मेदार, भ्रष्ट और असंवेदनशील रवैये के कारण जिन परिवारों के युवा बच्चों की मृत्यु हुई है, उन माता-पिता की अपूरणीय क्षति की भरपाई प्रशासन किस प्रकार करेगा, इसका उत्तर भी प्रशासन को देना चाहिए, ऐसी मांग आंदोलन में उपस्थित मान्यवरों और राष्ट्रप्रेमी नागरिकों द्वारा की गई।

प्रशासन से जवाब तलब

वरली स्थित 'एनएससीआई' डोम मुंबई महानगरपालिका अर्थात सरकारी संपत्ति होने के बावजूद वहां युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाली ऐसी घातक पार्टियों का आयोजन कैसे होने दिया जाता है? इसलिए महानगरपालिका ने जिन ठेकेदारों को यह डोम किराये पर संचालन हेतु दिया है, उन ठेकेदारों और संबंधित प्रबंधन पर शासन कौन-सी कठोर कार्रवाई करेगा, इसका उत्तर तत्काल मिलना चाहिए। जब तक युवाओं के रक्त से हाथ रंगे हुए इस 'सनबर्न' तथा दोषी प्रशासनिक अधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाता, तब तक हमारा यह संघर्ष नहीं रुकेगा। छत्रपति शिवराय की भूमि में पाश्चात्य ड्रग्स संस्कृति का महिमामंडन तथा अश्लील पार्टियों का प्रदर्शन करने वाले ऐसे विघातक कार्यक्रमों को सरकारी स्तर पर तत्काल बंद किया जाना चाहिए, ऐसा भी 'नशा विरोधी संघर्ष अभियान' द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है।

प्रेरक प्रसंग

राजा और गरीब की बेटी

बहुत समय पहले राजस्थान के एक छोटे से राज्य में महाराज वीरेंद्र सिंह का शासन था। वे बहादुर, कुशल योद्धा और शिकार के बड़े शौकीन थे। एक दिन वे अपने सैनिकों और शिकारियों के साथ जंगल में शिकार करने निकले। एक सुंदर हिरण का पीछा करते-करते वे अपने साथियों से बिछड़ गए और घने जंगल में भटक गए। संध्या होते-होते मौसम ने भयंकर रूप ले लिया। तेज आंधी, बारिश और कड़ाके की ठंड ने चारों ओर अंधकार फैला दिया। कई घंटों तक भटकने के बाद महाराज ठंड और थकान से अचेत हो गए। उनका वफादार घोड़ा उन्हें लेकर जंगल के किनारे स्थित एक छोटी-सी झोपड़ी तक पहुंचा और जोर-जोर से हिनहिनाने लगा। झोपड़ी में रहने वाले वृद्ध रतनसिंह ने दरवाजा खोला। उन्होंने देखा कि एक युवक बेहोश अवस्था में पड़ा है। वे उसे भीतर ले गए। उनकी बेटी किरण ने भी सहायता की। दोनों ने उसके भीगे कपड़े बदले, आग जलाई और गर्म दूध पिलाने का प्रयास किया। कई घंटों की सेवा और देखभाल के बाद युवक को होश आया। अगली सुबह महाराज ने अपना परिचय दिया। यह जानकर रतनसिंह और किरण आश्चर्यचकित रह गए। रतनसिंह कभी एक सम्मानित राजपूत सरदार थे, लेकिन पारिवारिक दुखों के कारण वर्षों से एकांत जीवन बिता रहे थे। कुछ देर बाद महाराज के सैनिक उन्हें खोजते हुए वहां पहुंच गए। जाते समय महाराज ने रतनसिंह को धन देना चाहा, लेकिन उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने आपका जीवन बचाया है, कोई व्यापार नहीं किया। महाराज उनकी ईमानदारी और किरण की सेवा-भावना से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने वचन दिया कि वे इस उपकार को कभी नहीं भूलेंगे और जल्द ही फिर उनसे मिलेंगे। महीने बीत गए, लेकिन महाराज अपने वादे को निभाने नहीं आए। रतनसिंह ने कई बार संदेश भेजे, पर कोई उत्तर नहीं मिला। धीरे-धीरे उन्हें समझ में आ गया कि राजमहल की चमक-दमक में शायद उनका महत्व भुला दिया गया है।

■ कुछ समय बाद राज्य में महाराज के भव्य विवाह का आयोजन हुआ। पूरे नगर में उत्सव का माहौल था। उसी दिन किरण अपने पिता के साथ नगर पहुंची। उसने देखा कि जिन महाराज ने कृतज्ञता और सम्मान की बातें की थीं, वे अब उसे पहचानने तक को तैयार नहीं थे। किरण की आंखों में आंसू आ गए। उसने भीड़ के सामने कोई हंगामा नहीं किया। वह चुपचाप लौट गई।

■ उस दिन उसने एक कठोर सत्य सीखा-सत्ता और वैभव के सामने कई बार इंसान अपने वचन भूल जाता है। वर्षों बाद लोगों ने महाराज वीरेंद्र सिंह को एक शक्तिशाली शासक के रूप में याद किया, लेकिन गांवों में रतनसिंह और किरण की कहानी भी सुनाई जाती रही। लोग कहते थे कि सच्ची महानता सिंहासन से नहीं, बल्कि अपने वचन निभाने और उपकार का सम्मान करने से मिलती है।

राशिफल

मेष- कारोबार-व्यवसाय आज ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। धन का व्यय होगा। नौकरी में प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृषभ-यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

मिथुन- विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें।

कर्क- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह- मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी।

तुला-व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

वृश्चिक- राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु- संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मकर- किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

कुंभ-बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी।

मीन-मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

टीएमसी में असली-नकली की लड़ाई

15 जून को लोकसभा स्पीकर से मिलेंगे ममता बनर्जी के बागी सांसद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के लिए स्थिति काफी मुश्किल हो गई है, क्योंकि ममता बनर्जी के बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलकर पार्टी के 'असली टीएमसी' संसदीय समूह के तौर पर मान्यता की मांग पाने की तैयारी शुरू कर दी है। बागी सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने सोमवार को लोकसभा स्पीकर से मिलने की बात कही है और बागी सांसदों के समूह को असली टीएमसी होने का दावा किया है।

लोकसभा स्पीकर से मिलेंगे बागी सांसद

बागी सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने पीटीआई वीडियो को बताया कि हमने लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंप दिया है। सोमवार को हम स्पीकर के पास जाएंगे और असली टीएमसी संसदीय समूह बनाने का अपना दावा पेश करेंगे। हम स्पीकर से हमारे दावे को मान्यता देने का आग्रह करेंगे। कूचबिहार के सांसद, जो लोकसभा में एनडीए का समर्थन करने वाले सांसदों में शामिल हैं, ने दावा किया कि 19 सांसदों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर इकट्ठा करने की प्रक्रिया 8 जून को शुरू हुई थी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि स्पीकर के साथ प्रस्तावित बैठक का समय अभी तय नहीं हुआ है। 19 टीएमसी लोकसभा सांसदों के नाम और हस्ताक्षर वाली लिस्ट सामने आ चुकी है, हालांकि स्पीकर ओम बिरला को लिखा गया पत्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराया गया है और इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ममता बनर्जी के लिए संकट

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने आरोप लगाया था कि सांसदों को पाला बदलने के लिए उकसाया जा रहा है। वहीं जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने कीर्ति आजाद के इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कीर्ति आजाद झूठे हैं। ऐसा कहना सही नहीं है। हम 19 सांसद हैं और वह भी एक सांसद हैं। इस तरह के आरोप लगाना सही नहीं है। ममता बनर्जी के लिए यह संकट पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में टीएमसी की हार के बाद शुरू हुआ और अब संसद तक फैल गया है। अभिनेत्री-सांसद कोयल मल्लिक और प्रकाश चिक बारिक ने पार्टी और राज्यसभा दोनों से इस्तीफा दे दिया। उनसे पहले सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव ने इस्तीफा दिया था।

ममता बनर्जी के खिलाफ FIR दर्ज

कोलकाता में ममता बनजी के खिलाफ कथित सांप्रदायिक टिप्पणी को लेकर FIR दर्ज की गई है। यह मामला कोलकाता के Hare Street Police Station में दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2026 में दिए गए एक राजनीतिक भाषण के दौरान ममता बनर्जी ने ऐसी टिप्पणियां कीं, जिनसे सांप्रदायिक भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसी आधार पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मामले में अभी तक किसी गिरफ्तारी या अन्य कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल जांच जारी है।

■ वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने शुक्रवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक दस्तावेज यह साबित करता है कि 'असली टीएमसी' का नेतृत्व काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं, न कि ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी। यह बयान ऐसी खबरों के बीच आया है कि 19-20 तृणमूल कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को संबोधित एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

■ एक वीडियो बयान में, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि वंशवादी राजनीति और पार्टी के बजाय अपने भतीजे को ममता की प्राथमिकता के कारण टीएमसी में अंदरूनी बिखराव हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब सबूत सबके सामने है। काकोली घोष के नेतृत्व में असली टीएमसी के 20 लोकसभा सांसदों के हस्ताक्षर वाला दस्तावेज दिखाता है कि असली टीएमसी उस टीएमसी से अलग है जिसका प्रतिनिधित्व ममता और अभिषेक कर रहे हैं। वे अब नकली टीएमसी हैं।

■ 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद टीएमसी संकट में घिर गई, क्योंकि भाजपा ने राज्य में ममता के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया। इसमें भवानीपुर सीट पर ममता का सुवेंदु अधिकारी से 15,105 वोटों के अंतर से हारना और पार्टी के विधायकों के एक बड़े हिस्से का बागी हो जाना शामिल था। बाद में यह उथल-पुथल संसद तक फैल गई, जिसमें बागी सांसदों ने 20 से अधिक लोकसभा सदस्यों के समर्थन का दावा किया।

■ पूनावाला ने आरोप लगाया कि लगभग 65-70 टीएमसी विधायक और कई राज्यसभा सांसद भी 'असली टीएमसी' के साथ हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में भी, लगभग 65-70 विधायक असली टीएमसी के तहत एक साथ आए हैं। राज्यसभा सांसद भी इस गुट के साथ हैं। यह टीएमसी का पूरी तरह से बिखराव है। इसे अब 'टुकड़ों में कांग्रेस' कहा जा रहा है। पूनावाला ने कहा कि क्योंकि वह पार्टी से ज्यादा अपने भतीजे को अहमियत देती हैं, इसलिए पार्टी उनसे दूर हो गई है। परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा देने पर ऐसा ही होता है। जिनके पास संख्या बल है, वही असली टीएमसी है। ममता के पास अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। हो सकता है कि वह अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करना चाहें।

नाविकों की मौत को लेकर बोले राहुल गांधी

'कंप्रोमाइज्ड पीएम' भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते क्योंकि इन बेटों की जान लेने वालों को नाराज करने की इनमें न हिम्मत है, न ताकत। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल (क्षेत्र) में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे कंप्रोमाइज्ड (दबाव में आ चुके) पीएम... एक शब्द तक नहीं कहा। जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं। राहुल ने कहा कि अगले हफ्ते जी 7 में, हमारे नाविकों की हत्या के बस चंद दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौते करेंगे -- मगर, उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास एक शब्द भी नहीं होगा।

■ कांग्रेस नेता ने कहा कि कंप्रोमाइज्ड पीएम (प्रधानमंत्री) भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते, क्योंकि जिन्होंने उन बेटों की जान ली उन्हें नाराज करने की इनमें न हिम्मत है, न ताकत। कांग्रेस ने अमेरिका की 'लापरवाही भरी सैन्य कार्रवाइयों' की गुरुवार को निंदा की थी, और सरकार से इस मामले में जवाबदेही तय करने के लिए राजनयिक कदम उठाने की मांग की। विपक्ष दल ने कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी व्यक्तिगत घनिष्ठता को बार-बार एक कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रदर्शित करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, जब यह संबंध भारतीय नागरिकों के जीवन और हितों की रक्षा करने में विफल हो जाए।

■ भारत ने गुरुवार को कहा था कि पिछले चार दिनों में ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना ने हमला किया, जिसमें तीन भारतीयों की मौत हो गई। भारत ने इन हमलों को लेकर अमेरिका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। नई दिल्ली की ओर से यह पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया गया कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय चालक दल वाले तीन जहाजों को निशाना बनाया है। नई दिल्ली ने इस बात पर भी जोर दिया कि ये हमले बंद होने चाहिए। अमेरिकी सेना ने 8 जून को पलाऊ के ध्वज वाले एक तेल टैंकर 'मैरीवेक्स' पर हमला किया था, जिसपर 24 भारतीय नाविक सवार थे।

■ चालक दल के सभी सदस्यों को बचा लिया गया। इसके बाद, 10 जून को अमेरिका ने पलाऊ के ध्वज वाले एक और टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया, जिसपर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई। गुरुवार को एक और जहाज 'जलवीर' पर हमला हुआ, जो गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाला टैंकर था और जिस पर 20 भारतीय सवार थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सेटेबेलो, मैरीवेक्स और जलवीर पर हुए तीन अलग-अलग हमले अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए थे।

■ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि 'जलवीर' को 'बेकार' कर दिया गया और अमेरिकी सेना के निर्देशों को नहीं मानने के बाद एक लड़ाकू विमान ने जहाज के इंजन कक्ष पर दो मिसाइलें दागीं। इसने कहा कि जलवीर ने ईरानी तेल ले जाने की कोशिश करके ईरान की नाकेबंदी का उल्लंघन किया। बुधवार को सेटेबेलो पर हुए हमले में तीन भारतीयों की मौत हो जाने के बाद, विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब किया और उन्हें एक विरोध पत्र सौंपा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया है कि ये हमले अवश्य रूकने चाहिए।

भाजपा का ऑपरेशन लोटस फेल, हम डरने वाले नहीं: कीर्ति आजाद

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ऑपरेशन लोटस के जरिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अब तक पार्टी को विभाजित करने के प्रयास विफल रहे हैं। आजाद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यसभा सदस्य प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे और भाजपा नेता निशिकांत दुबे के दिल्ली स्थित आवास के बाहर उनकी मीडिया से बातचीत, बागी तृणमूल सांसदों की केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर हुई बैठक तथा भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के तृणमूल सांसद शताब्दी रॉय के घर जाने को पार्टी को कमजोर करने की संगठित कोशिश का प्रमाण बताया। आजाद ने कहा कि (गृह मंत्री) अमित शाह के मार्गदर्शन में ऑपरेशन लोटस चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह अभियान अब तक सफल नहीं हो पाया है। तृणमूल में उथल-पुथल के बीच पार्टी के 19 लोकसभा सांसदों के नाम और हस्ताक्षरों वाली एक कथित सूची ऑनलाइन प्रसारित हुई। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को संबोधित कथित पत्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

■ बागी तृणमूल नेताओं ने दावा किया कि इस दस्तावेज से उनके कदम के समर्थन का संकेत मिलता है। इस दस्तावेज की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। सूची में काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, बापी हलदर, शर्मिला सरकार, प्रसून बंद्योपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार मल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, सायोनी घोष, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, यूसुफ पठान, मिताली बाग, माला रॉय, कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मालिया और पार्थ भौमिक के हस्ताक्षर थे।

■ पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार और पार्टी के एक बड़े वर्ग के विधायकों के विद्रोह के बाद तृणमूल संकट में घिर गई। बाद में यह संकट संसद तक पहुंच गया, जहां बागी सांसदों ने 20 से अधिक लोकसभा सदस्यों के समर्थन का दावा किया। गुरुवार को प्रकाश चिक बराइक इस सप्ताह पार्टी और राज्यसभा दोनों से इस्तीफा देने वाले तीसरे तृणमूल सांसद बन गए। इससे पहले सुखेंदु शेखर राय और सुष्मिता देव भी इस्तीफा दे चुके हैं। इस संकट ने पार्टी के भीतर मौजूद मतभेदों को भी उजागर कर दिया।

■ वरिष्ठ तृणमूल नेता कल्याण बनर्जी ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला किया और कहा कि वह तभी पार्टी में रहेंगे जब अभिषेक को सभी नेतृत्व पदों से हटाया जाएगा। कल्याण बनर्जी की टिप्पणियों को ज्यादा महत्व न देते हुए आजाद ने कहा कि वरिष्ठ सांसद अब भी ममता बनर्जी के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। आजाद ने कहा कि सब कुछ ठीक है, कोई समस्या नहीं है। कल्याण बनर्जी भावुक हैं। वह बुरे समय में दीदी के साथ रहे हैं। वह कभी उनके साथ विश्वासघात नहीं कर सकते और न ही उनकी पीठ में छुरा घोंप सकते हैं। बगावत तेज होने के बावजूद कई वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से ममता बनर्जी के प्रति अपना समर्थन दोहराया।

शाह के दुर्भावनापूर्ण मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे': कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकसभा में भाजपा के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का शुक्रवार को आरोप लगाया और कहा कि वह 'लोकतंत्र का पूरी तरह से मजाक उड़ाते हुए' विपक्षी दलों को तोड़ने में व्यस्त हैं लेकिन उनके 'दुर्भावनापूर्ण मंसूबे' कभी सफल नहीं होंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इससे पहले कभी किसी ने लोकसभा में अपनी पार्टी के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की ऐसी कोशिश नहीं की, जैसी केंद्रीय गृह मंत्री इन दिनों संसद के मानसून सत्र से पहले पूरी बेचैनी से कर रहे हैं। रमेश ने कहा कि स्वयंभू चाणक्य को 17 अप्रैल, 2026 को अपमानित होना पड़ा था, जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाई और परिसीमन से जुड़ा खतरनाक संविधान संशोधन विधेयक अच्छे अंतर से खारिज हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस करारी हार से तिलमिलाए हुए शाह अब विपक्षी दलों को तोड़ने और 'लोकतंत्र का मजाक बनाने' में व्यस्त हैं। रमेश ने कहा कि लड़ाई जारी है। उनके दुर्भावनापूर्ण मंसूबे सफल नहीं होने चाहिए और सफल नहीं होंगे।

■ रमेश का यह बयान तब आया जब तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के बागी सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार को मुलाकात कर खुद को 'असली तृणमूल कांग्रेस' के तौर पर मान्यता दिए जाने की मांग करेंगे। बसुनिया ने दावा किया कि अभी 19 लोकसभा सदस्य इस गुट का समर्थन कर रहे हैं। कूचबिहार से सांसद और लोकसभा में राजग का समर्थन करने के इच्छुक सांसदों में शामिल बसुनिया ने बताया कि यह गुट सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार और पार्टी के अंदर हुई बगावत के कारण तृणमूल कांग्रेस संकट का सामना कर रही है। इस बगावत ने पार्टी की संगठनात्मक और विधायी ताकत को काफी कमजोर कर दिया है। पिछले हफ्ते, पार्टी के दो-तिहाई से ज्यादा विधायकों - 80 में से 58 ने आधिकारिक तृणमूल कांग्रेस विधायक दल से अलग होकर, पार्टी से निष्कासित विधायक रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य विपक्षी गुट के तौर पर मान्यता हासिल कर ली। बाद में, यह संकट संसद सदस्यों तक भी पहुंच गया, जहां काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में बागी सांसदों ने 20 से ज्यादा लोकसभा सदस्यों के समर्थन का दावा किया।

मुझसे बुरा मुख्यमंत्री कोई नहीं होगा: सीएम शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सत्ता में आने के बाद से लगातरा ऐक्शन में नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने गुंडों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी ने भी कानून-व्यवस्था का उल्लंघन किया या करने की कोशिश की, तो उनसे बुरा मुख्यमंत्री कोई नहीं होगा। दरअसल, बंगाल में सत्ता में आने के बाद से कानून-व्यवस्था को लेकर काफी सवाल उठे हैं। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के ऊपर हुए हमले के बाद राष्ट्रीय स्तर से शुभेंदु सरकार के ऊपर हमला बोला गया था। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी बंगाल यात्रा की रूपरेखा भी बताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 20 जून को बंगाल की यात्रा पर आ रहे हैं। वह यहां पर तारकेश्वर का दौरा करेंगे और कई प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन करेंगे। बता दें, बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला दौरा है। वह 21 जून को विश्व योग दिवस के मौके पर कोलकाता में रहेंगे।

बंगाल में केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा: सीएम अधिकारी

बंगाल की पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार ने केंद्र सरकार से तनाव के चलते केंद्र की कई योजनाओं को राज्य में लागू करने से इनकार कर दिया था। अब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने ऐलान किया है कि केंद्र की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि संविधान हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है और हम लोगों के भले के लिए काम करेंगे। केंद्र सरकार के साथ लगातार कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। बंगाल की जनता को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री को 'प्रधान सेवक' कहलवाना पसंद: सीएम शुभेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री मोदी के बंगाल दौरे के पहले उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रियता के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। देश की सेवा ही उनका मुख्य मकसद है। प्रधानमंत्री को खुद को 'प्रधान सेवक' कहलवाना पसंद है। केंद्र सरकार ने अपने कार्यकाल में 90 से ज्यादा एयरपोर्ट विकसित किए हैं। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। केंद्र सरकार लगातार किसानों के लिए काम कर रही है। बता दें, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के 15 साल के शासन का अंत करके भारतीय जनता पार्टी ने अपना परचम लहराया है। भाजपा की तरफ से शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनाया गया है। 4 मई को आए नतीजों के बाद राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का एक बड़ा चेहरा मानी जा रही ममता बनर्जी की सत्ता जाने के साथ-साथ पार्टी भी कमजोर पड़ गई। आज हालत यह हैं कि जीतकर आए विधायकों में 60 से ज्यादा ममता को हाशिए पर धकेलते दिख रहे हैं। इसके अलावा करीब 19 लोकसभा सांसद ममता से अलग हो चुके हैं। इसके अलावा 4 राज्यसभा सांसदों ने भी इस्तीफा दे दिया है।

सुप्रीम कोर्ट से मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका मिला है, उनकी याचिका कोर्ट ने खारिज कर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। बता दें कि मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन रद्द होने को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि अगर उनकी याचिका सुनी जाती है तो यह अनुच्छेद 329 के परे होगा। इससे एक नई परंपरा शुरू होगी कि नामांकन खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 329 में यह व्यवस्था है कि चुनावी मामलों में कोर्ट अंतरिम चरण में हस्तक्षेप नहीं करता। इसी अनुच्छेद में यह भी कहा गया है कि चुनाव परिणाम आने के बाद असंतुष्ट उम्मीदवार हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। संविधान में इकलौती व्यवस्था दी गई है कि हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल की जाए।

क्या कहा अभिषेक मनु सिंघवी ने : मीनाक्षी नटराजन की तरफ से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर का नामांकन रद्द करने का आदेश मीनाक्षी नटराजन के प्रति पूर्ण अन्याय है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस ए एस चंदुरकर की बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट का कोई पुराना फैसला दिखाइए जहां सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव नामांकन खारिज होने पर दखल दिया हो, अभिषेक सिंघवी ने कहा कि केस के तथ्यों के आधार पर निर्णय होना चाहिए। अभिषेक मनु सिंघवी ने बीएनएसएस के सेक्शन 223 का हवाला देते हुए कहा कि नए अधिनियम में यह प्रावधान जोड़ा गया है कि संज्ञान लेने से पहले संभावित आरोपी को सुना जाना चाहिए। इस पर कोर्ट ने कहा कि लेकिन कोर्ट ने समन तो भेजा था न। सिंघवी ने फिर कहा कि सिर्फ समन भेजा गया और रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट के सेक्शन 33ए आरोप तय होने की बात करता है।

भारत के खिलाफ इस्तेमाल हुए यूरोप में बने हथियार: जयशंकर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस से तेल खरीद का बचाव करते हुए यूरोप समेत पश्चिम को जमकर सुनाया। जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी देश रूस से भारत के तेल खरीदने पर उपदेश देने के हालात में नहीं हैं, क्योंकि यूरोप में बने हथियारों को भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया गया। वहीं भारत ने ऐसा कोई हथियार नहीं बनाया, जिसका इस्तेमाल पश्चिमी देशों के खिलाफ किया गया हो। जयशंकर ने फिनलैंड के अपने दौरे के दौरान 'कुलतारंता टॉक्स' में 'उभरती हुई ताकतें और नया जियोपॉलिटिकल कॉम्पिटिशन' पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए रूस से तेल खरीद पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने यह फैसला कम दाम और उपलब्धता को देखते हुए उठाया। यहां तक कि 2022 में अमेरिका ने भारत को तेल की खरीद जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था, ताकि वैश्विक बाजार में स्थिरता बनी रहे। जयशंकर से एक पत्रकार ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर रूस के प्रति ज्यादा सहानुभूति रखने का आरोप लगाते हुए रूस से तेल खरीदने का आरोप लगाया।

अमेरिका के हिसाब से बन रही भारत की आर्थिक नीति: अखिलेश यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को उर्मिला गार्डन का उद्घाटन करने के लिए कासगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह यादव की समाजवादी पार्टी में वापसी कराई।

2027 में यूपी हारे तो नहीं होंगे दोबारा चुनाव

जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने बड़ी बात कही। 2027 में यूपी का विधानसभा चुनाव हार गए तो देश में दोबारा चुनाव नहीं देख पाओगे। हाल ही में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव इसका उदाहरण है। जिसमें जनता के वोटो को लूट गया है।

पेट्रोल में सरकार कर रही मिलावट

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार स्मार्ट सिटी तो नहीं बनवा पाई, लेकिन स्मार्ट विद्युत मीटर लगाकर लोगों को लूटने का काम जरुर कर रही है। देश में महंगाई बढ़ रही है। पेट्रोल के दाम 100 रुपये के पार चले गए हैं। उसमें भी 20 परसेंट की मिलावट की जा रही है। 20 परसेंट की मिलावट न की जाए तो पेट्रोल के दाम और भी ज्यादा हो जाएंगे। पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से आम लोगों के वाहनों के इंजन खराब हो रहे हैं। उन्होंने भारत की विदेश नीति पर तंज करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो कहते हैं वह भारत स्वीकार कर लेता है। विश्व में भारत का बाजार बहुत बड़ा है। मगर देश की आर्थिक नीतियां अमेरिका के हिसाब से बन रही है। भाजपा सरकार ने देश का बाजार गिरवी रख दिया है। भाजपा के लोग मुंह से स्वदेशी हैं, लेकिन मन से विदेशी हैं।

असम के तिनसुकिया जिले के अभिभावक-मंत्री रामेश्वर तेली की अध्यक्षता में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

पंकज नाथ @ असम

असम सरकार के श्रम कल्याण, रूपांतरण व विकास, चाय जनजाति व आदिवासी कल्याण विभाग के मंत्री तथा तिनसुकिया जिले के अभिभावक -मंत्री रामेश्वर तेली की अध्यक्षता में गुरुवार को तिनसुकिया जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा चलायी जा रही केंद्रीय एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक तिनसुकिया जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में मंत्री रामेश्वर तेली ने सरकारी नीतियों, निर्देशों और नियमों के आलोक में निधियों के उचित उपयोग के निर्देश दिए। वे लोक निर्माण (सड़क) विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सड़कों व पुलों के निर्माण

और उन्नयन के कार्यों की प्रगति से सम्बन्धित जानकारी ली। मंत्री ने सड़क विकास पर विशेष जोर देते हुए संबंधित विभागों को समयसीमा के भीतर योजनाओं का सफल और परिणामपरक क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के अंतर्गत जलजीवन मिशन के कार्यों की भी बैठक में विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जिले में चल रही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), एमजीएनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) सहित अन्य योजनाओं की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने जिले के कृषि, शिक्षा, जलसिंचन, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, विद्युत, रेशम, वन, लोक निर्माण (गृह), करघा, वस्त्र उद्योग आदि विभागों के विकासात्मक कार्यों की भी बारीकी से समीक्षा की और सभी विभागों से आग्रह किया कि वे योजनाओं को प्राथमिकता के साथ समयबद्धता से पूरा करें। प्रत्येक योजना के बारे में जनता में जागरूकता फैलाने के निर्देश भी मंत्री ने दिए।

बीएसपी-एआईएमआईएम आएंगे साथ?

गठबंधन की बात के बीच यूपी की 200 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में ओवैसी की पार्टी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

असुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उत्तर प्रदेश के चुनावी रण में भी उतरेगी। एआईएमआईएम ने यूपी चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहराइच से पार्टी के चुनाव अभियान का आगाज करेंगे। असदुद्दीन ओवैसी बहराइच में बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। ओवैसी की पार्टी इस बार के यूपी चुनाव में 200 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का मन बना रही है। हालांकि, पार्टी ने गठबंधन का विकल्प भी खुला रखा है। एआईएमआईएम के नेता कह रहे हैं कि चुनाव से पहले अगर किसी पार्टी के साथ गठबंधन होता है, तो सीटें उस हिसाब से तय की जाएंगी। फिलहाल, एआईएमआईएम का फोकस पश्चिमी यूपी के साथ ही अवध के कुछ क्षेत्रों, खासकर बहराइच, बलरामपुर, बस्ती पर है। बहराइच की मटेरा विधानसभा सीट से एआईएमआईएम यूपी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के चुनाव लड़ने की चर्चा है। ऐसा माना जा रहा है कि मटेरा विधानसभा सीट से शौकत अली की उम्मीदवारी का ऐलान खुद असदुद्दीन ओवैसी रविवार को होने जा रही अपनी रैली में कर सकते हैं। ओवैसी अपनी रैली के जरिये यूपी चुनाव के लिए एआईएमआईएम के अभियान की शुरूआत भी कर रहे हैं। ओवैसी की पार्टी की रणनीति इस बार मुस्लिम समुदाय के सामने सपा के मुकाबले खुद को बेहतर विकल्प के रूप में पेश करने की है। एआईएमआईएम की कोशिश दलित-मुस्लिम वोट साधने की है। पार्टी के नेताओं को लगता है कि अगर मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन होता है, तो बीजेपी और सपा को पटखनी दी जा सकती है। एआईएमआईएम के नेता दबी जुबान यह भी कह रहे हैं कि हमारी तरफ से बसपा के साथ गठबंधन को लेकर सही समय पर पहल भी की जाएगी। ओवैसी की पार्टी ने चुनावी तैयारियों के लिए यूपी को चार जोन में बांट दिया है। पूरे प्रदेश में एआईएमआईएम ने प्रभारियों की विधानसभावार नियुक्तियां कर दी हैं। गौरतलब है कि ओवैसी की पार्टी ने 2022 में यूपी 95 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने 19 सीटों पर गैर मुस्लिमों को टिकट दिए थे।

ओवैसी की पार्टी को सपा ने घेरा

यूपी की 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के ऐलान को लेकर ओवैसी की पार्टी पर समाजवादी पार्टी ने हमला बोला है। सपा प्रवक्ता डॉक्टर आशुतोष वर्मा ने कहा कि एआईएमआईएम के लोग केवल विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय ही सक्रिय होते हैं और चुनाव खत्म होते ही गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे उनके मुस्लिम समुदाय के मुद्दों को लेकर गंभीर होने पर गंभीर प्रश्न उठता है। सपा प्रवक्ता ने कहा कि एआईएमआईएम के चुनाव मैदान में उतरने से बीजेपी को सीधा लाभ मिलता है। उन्होंने मटेरा विधानसभा क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा है कि जब से यह विधानसभा सीट बनी है, सपा लगातार जीतती आई है। सपा प्रवक्ता ने कहा कि अब एआईएमआईएम के आने से समीकरणों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यूपी का मुस्लिम समुदाय जागरूक है। मुस्लिम समझते हैं कि एआईएमआईएम किस दल के इशारे पर काम कर रही है और इससे किसे फायदा पहुंच रहा है।

यूपी में 4 लाख माफ ई-चालान फिर होंगे एक्टिव!

जुर्माना भरिए या कार्रवाई झेलिए, घर बैठे ऐसे करें चेक

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने 2017 से 2021 के बीच माफ किए गए करीब 13 लाख ई-चालानों में से गंभीर प्रकृति के लगभग 4 लाख चालानों को दोबारा सक्रिय करने का फैसला लिया है। इनमें जुमार्ना भरना पड़ेगा या नियमानुसार कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद यह निर्णय लिया गया है। कोर्ट ने गंभीर यातायात उल्लंघनों को माफी देने पर चिंता जताई थी। परिवहन विभाग को इसकी पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 के बीच कुल 30.52 लाख नॉन-टैक्स ई-चालान जारी हुए थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण पहले ही हो चुका था, जबकि करीब 13 लाख चालान लंबित थे। इन्हें माफी योजना के तहत बंद कर दिया गया था, जिससे वाहन मालिकों को फिटनेस, परमिट, ट्रांसफर और ल्रफ्ढ जैसी सेवाओं में राहत मिली। अब सरकार ने इनमें से गंभीर मामलों की दोबारा समीक्षा का फैसला किया है। अनुमान है कि माफ किए गए चालानों में से 30-35% करीब 4 लाख मामलों में जुमार्ना भरना पड़ सकता है।

किन चालानों पर दोबारा कार्रवाई?

जिला स्तर पर बनाई जाने वाली विशेष समितियां तीन श्रेणियों के चालानों की जांच करेंगी। इसमें अलग-अलग तरह के मामले शामिल किए हैं जैसे गैर-शमनीय, नॉन-कंपाउंडेबल अपराध- जिनका मौके पर समझौता या सामान्य जुमार्ने से निस्तारण नहीं हो सकता। वहीं, जेल की सजा वाले मामले- जहां कानून में जेल का प्रावधान है। बार-बार उल्लंघन करने वाले चालक,जिनका रिकॉर्ड बार-बार नियम तोड़ने का है। ये समितियां लंबित चालानों की सूची तैयार करेंगी और गंभीर मामलों को दोबारा सक्रिय करेंगी।

लोग अपना चालान कैसे चेक करें?

वाहन मालिक घर बैठे आसानी से पता लगा सकते हैं कि उनका चालान दोबारा सक्रिय हुआ है या नहीं। इसके लिए उन्हें ई-चालान पोर्टल पर जाना होगा या फिर परिवाहन वेबसाइड https://echallan.parivahan.gov.in पर जाकर अक्यूज्ड चालान या चालान स्टेटस विकल्प चुनें। अपना वाहन नंबर (व्हीकल रजिस्ट्रेशन नंबर) दर्ज करें। कैप्चा भरें और गेट डिटेल्स पर क्लिक करें। ओटीपी वेरिफिकेशन के बाद चालान की पूरी डिटेल और स्टेटस (एक्टिव/पेंडिंग या माफा/क्लोज्ड) दिख जाएगा। अगर चालान दोबारा सक्रिय होता है तो पोर्टल पर जुमार्ना राशि और भुगतान का विकल्प दिखेगा।

शॉर्ट स्टोरी

बेगूसराय में ट्रक से टकराई कार, 4 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ बेगूसराय

बिहार के बेगूसराय में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया। साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच-31 पर देर रात तेज रफ्तार कार और ट्रक की टक्कर में तीन थाना प्रभारियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों की पहचान रतवारा थाना प्रभारी साजन पासवान, बेलारी थाना प्रभारी नीरज कुमार, आरर थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमरेंद्र और निजी चालक ज्योतिष कुमार के रूप में हुई है। सभी पुलिस अधिकारी पटना में आयोजित एक दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने के बाद गुरुवार देर रात कार से मधेपुरा लौट रहे थे। इसी दौरान साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा के पास कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमरेंद्र, थाना प्रभारी नीरज कुमार और चालक ज्योतिष कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तत्काल बेगूसराय सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार, सदर डीएसपी आनंद पांडेय समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। बेगूसराय रेंज के डीआईजी शैलेश कुमार और मधेपुरा के एसपी भी सदर अस्पताल पहुंचे तथा पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। हादसे के बाद मृतक पुलिस अधिकारियों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक का माहौल बन गया। बेगूसराय एसपी मनीष कुमार ने कहा कि पटना से ट्रेनिंग से लौट रहे तीन थाना प्रभारी और उनका चालक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए।

मैं जूनियर के अंडर कैसे काम करूं?

इंस्पेक्टर ने दे दिया इस्तीफा

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस विभाग में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर असंतोष फैला हुआ है। पोस्टिंग नियमावली के विपरीत तैनाती पर अंदर खाने में कई इंस्पेक्टर खफा हैं, लेकिन उनका असंतोष खुलकर अधिकारियों के भय से सामने नहीं आ रहा है। इस बीच जूनियर के अंडर में तैनात पर इंस्पेक्टर विनय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा है कि मेरी पोस्टिंग नियमावली के विपरीत हुई है। मैं जूनियर का आदेश कैसे मानूंगा? इसलिए वह इस्तीफा देना चाहते हैं। गुरुवार को इस तरीके का मामला सामने आ जाने के बाद पुलिस कमिश्नरेट महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, कई अन्य पुलिस कर्मियों ने भी जूनियर के अंडर में तैनाती का हवाला देते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने पत्र देते हुए खुद को तैनाती स्थल से हटाकर कहीं और नियुक्त किए जाने की बात कही है। बता दें कि इस्तीफा की बात के बाद से गलत पोस्टिंग को लेकर पुलिस कर्मियों का दर्द बाहर आ रहा है। कानपुर साइबर थाने में मौजूदा समय सतीश कुमार थाना प्रभारी हैं और साइबर थाने में तैनात इंस्पेक्टर विनय शर्मा के अनुसार वो उनके जूनियर हैं। नाराज इंस्पेक्टर विनय शर्मा ने गुरुवार को डीसीपी क्राइम के ऑफिस पहुंचकर उनको अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

नोएडा वालों की मौज! सीएम योगी ने शुरू की 34 इलेक्ट्रिक बसें

अब जेवर एयरपोर्ट जाना होगा बेहद आसान

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

गौतमबुद्ध नगर के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन की सूरत बदलने जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यूपीएसआरटीसी की 45 नई इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन 45 बसों में से 34 बसें विशेष रूप से गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र के लिए आवंटित की गई हैं, जबकि शेष 11 बसों का संचालन राजधानी लखनऊ में किया जाएगा

बसें इस समस्या को दूर करेगी

यहां बहुत बड़ी संख्या में आईटी कंपनियां, औद्योगिक इकाइयां, शैक्षणिक संस्थान और आवासीय सेक्टर शामिल है। यहां पर हर दिन लाखों लोग सफर करते है। जबकि कई हिस्सों में तो मेट्रो नेटवर्क के बावजूद काफी लोग निजी कैब या ऑटो का सहरा लेते है, जिससे उनका खर्च बढ़ जाता है।

निजी कैब और ऑटो पर निर्भरता

बताया जा रहा है कि इन बसों की वजह से आम जनता को सस्ती यात्रा ही नहीं,बल्कि आने जाने में सुविधा भी प्राप्त होगी। साथ ही भीषण गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी। निजी कैब और ऑटो पर निर्भरता भी कम होगी। इस कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और नगर विकास मंत्री एके शर्मा भी मौजूद रहेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, विडिओ कोन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो से बस सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। बता दें, कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा देश के सबसे तेज से विकसित होने वाले शहरों में नाम शामिल है।

मासिक बजट पर एक्स्ट्रा बोझ

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नोएडा और ग्रेटर नोएडा दोनों के बीच एक बहुत छोटी दूरी की वजह से लोग अक्सर यात्रा के लिए कैब बुक करते है। जिसका किराया कई बार नॉर्मल पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तुलना में बहुत अधिक आता है। ऑफिस जाने वाले कर्मचारीयों, छात्रों और साथ ही रोज यात्रा करने वाले लोगों के लिए यह खर्च मासिक बजट पर एक्स्ट्रा बोझ डालता है। इस एक नई पहल से लोगों के मन में उम्मीद की रोशनी नजर आई है।

'अब जीने की इच्छा नहीं..', बोलकर युवक ने कनपटी पर मार ली गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

मेरठ के मवाना थाना क्षेत्र के प्रीतनगर निवासी 21 साल के देवांश रस्तोगी ने देर शाम नहर की पटरी पर जाकर देसी पिस्टल से अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोपहर से लापता देवांश ने खुदकुशी की कोशिश करने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो को देखने के बाद उसके दोस्तों और परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और उसे लहूलुहान हालत में नहर के पास ढूंढ निकाला। दोस्त उसे तुरंत मवाना थाने और फिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां से उसे गंभीर हालत में मेरठ रेफर कर दिया गया।

वीडियो में कहा- किसी चीज की कोई टेंशन नहीं

गोली मारने से पहले देवांश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह देसी पिस्टल लहराता हुआ दिख रहा है। वीडियो में उसने कहा कि यह उसका आखिरी टाइम है और उसे किसी चीज की कोई टेंशन या दबाव नहीं है। वह किसी चीज से कमजोर नहीं है। उसने आगे कहा कि वह न तो अपने मां-बाप को गलत बोलता है और न ही अपने दोस्तों या प्यार को गलत ठहराता है। उसकी बस अब जीने की इच्छा नहीं बची है। उसने अपील की कि उसके जाने के बाद घरवालों और यार-दोस्तों पर कोई आंच नहीं आनी चाहिए।

घायल हालत में मिला युवक, पुलिस जांच में जुटी

देवांश के पिता का मवाना में एक मेडिकल स्टोर है। वीडियो वायरल होने के बाद दोस्त उसे ढूंढते हुए नहर की पटरी पर पहुंचे, जहां वह घायल पड़ा था। गोली उसकी बाईं कनपटी को छूकर निकल गई थी। इस मामले में मेरठ के एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि 11 जून को मवाना थाना क्षेत्र में देवांश नामक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

132 फीट ऊंचा मोबाइल टॉवर ही उड़ा ले गए चोर, जनरेटर भी गायब

हिंदमाता नेटवर्क @ बक्सर

बिहार के बक्सर जिले से चोरी की एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। यहां चोरों ने किसी दुकान, घर या गोदाम को नहीं, बल्कि 132 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर को ही गायब कर दिया। चोर टॉवर के साथ उससे जुड़े कई उपकरण और जनरेटर सेट भी ले गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह टॉवर डुमरांव नगर थाना क्षेत्र के रिहायशी इलाके में स्थित था और थाना भी वहां से ज्यादा दूर नहीं था। इसके बावजूद चोर कई दिनों तक टॉवर को खोलते रहे और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। घटना सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। लोग यह सोचकर हैरान हैं कि आखिर इतना बड़ा ढांचा चोरी कैसे हो गया और किसी को इसकी जानकारी तक क्यों नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक, यह मोबाइल टॉवर जीटीएल कंपनी का था और कई वर्षों से बंद पड़ा हुआ था। हाल ही में कंपनी के अधिकारी टॉवर की मरम्मत और निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंचे थे। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। मौके पर न तो टॉवर मौजूद था और न ही उससे जुड़े अन्य उपकरण। पूरा ढांचा गायब था और केवल खाली जगह दिखाई दे रही थी। इसके बाद कंपनी के अधिकारियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और डुमरांव नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। कंपनी की ओर से दर्ज शिकायत में बताया गया कि चोर केवल टॉवर ही नहीं ले गए, बल्कि उसके साथ लगा जनरेटर सेट और अन्य तकनीकी उपकरण भी चोरी कर लिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि टॉवर की ऊंचाई करीब 132 फीट थी और उसे एक ही बार में हटाना संभव नहीं था। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने कई दिनों तक धीरे-धीरे इसे काटकर और खोलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी चोरी के पीछे कौन लोग शामिल थे और चोरी किए गए सामान को कहां ले जाया गया।

होर्मुज में ऑयल शिप पर हमला, देवरिया के शिवानंद चौरसिया की मौत

7 महीने पहले कमाने गया था सिंगापुर

हिंदमाता नेटवर्क @ देवरिया

उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के सुरौली थाना क्षेत्र के सुरौली गांव के रहने वाले भारतीय नाविक शिवानंद चौरसिया की ओमान तट के निकट एक व्यावसायिक पोत पर हुए हमले में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद घटना के बारे में शिवानंद के छोटे भाई ने परिजनों को अवगत कराया। खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, शिवानंद चौरसिया सिंगापुर की एक शिपिंग कंपनी के पोत पर वेल्डर के रूप में कार्यरत थे। करीब सात महीने पहले वह नौकरी के सिलसिले में घर से गए थे। बताया जा रहा है कि उनका पोत होर्मुज क्षेत्र के पास से गुजर रहा था, तभी उस पर हमला हुआ, जिसमें शिवानंद की जान चली गई। घटना की जानकारी सबसे पहले दुबई में कार्यरत उनके छोटे भाई रामप्रवेश चौरसिया को मिली। गुरुवार सुबह उन्होंने मोबाइल फोन के जरिए परिवार को इस दुखद खबर से अवगत कराया। बाद में जिला प्रशासन ने भी स्वजन को घटना की पुष्टि की।

जहाज पर हमले के बाद हुई मौत

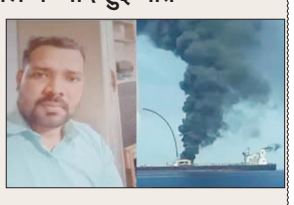

तहसील प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। पूरे गांव में मातम का माहौल है और लोग सरकार से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता तथा हरसंभव मदद देने की मांग कर रहे हैं। परिजनों ने घर के एक सदस्य को नौकरी देने की भी मांग की है। लोगों ने कहा कि शिवानंद की पत्नी सुशीला, पांच वर्षीय पुत्र राजवीर और दो वर्षीय पुत्री वानिका हैं।

परिजनों में मचा कोहराम

सूचना मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई और परिजन बदहवास हो गए। मृतक शिवानंद अपने परिवार के बड़े बेटे थे। परिवार में पिता रामजी चौरसिया, माता कलावती देवी, पत्नी सुशीला, पांच वर्षीय पुत्र राजवीर और दो वर्षीय पुत्री वानिका हैं। घटना की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों के लोग शोक संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचने लगे।

दहेज हत्या के मामले में पांच दोषियों को उम्रकैद

50-50 हजार रुपये का लगा जुमार्ना

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

आजमगढ़ में जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने शुक्रवार को दहेज हत्या के मामले में पांच आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इस अर्थदंड की 80 फीसदी राशि मृतका के पिता को दी जाएगी।

क्या है पूरा मामला

अभियोजन पक्ष के अनुसार, निजामुद्दीनपट्टी निवासी मदन लाल की बेटी विमला का प्रेम संबंध गांव के हरेंद्र से था। सरायमीर थाने में पंचायत हुई, जिसके बाद 22 फरवरी 2015 को हरेंद्र और विमला का विवाह संपन्न हुआ। हालांकि, हरेंद्र के परिवार ने इस विवाह को स्वीकार नहीं किया। वे विमला के मायके वालों से दहेज की मांग करने लगे। उन्होंने एक लाख रुपये और एक मोटर साइकिल की मांग की। दहेज की मांग पूरी न होने पर 14 मई 2017 को पति हरेंद्र, जेठ कलेन्द्र, देवर राजेंद्र, ससुर भोपल और सास दुर्गावती ने विमला को बुरी तरह पीटा। सूचना मिलने पर विमला के पिता ने उसे पहले संजरपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अगले दिन 15 मई को उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 25 मई 2017 को विमला की मृत्यु हो गई। पुलिस ने जांच पूरी कर सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

रूस में नौकरी करने गए थे आजमगढ़ के दो लाल, ताबूत में लौटा कंकाल

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

रूस-यूक्रेन के बीच करीब 3 वर्षों से युद्ध लड़ा जा रहा है। भारत से हजारों किलोमीटर दूर लड़े जा रहे इस युद्ध में आजमगढ़ और आसपास के जिलों का नाम भी शामिल हो गया था। इनमें से 8 लोग लापता हो गए थे। गुरुवार को इनमें से 2 लोगों का शव उनके घर पहुंचा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। आजमगढ़ और मऊ जिले के कई लोग नौकरी की तलाश में जनवरी 2024 में एजेंटों के जाल में फंस कर रूस चले गए थे। इनमें आजमगढ़ के कन्हैया यादव और मऊ के श्यामसुंदर और सुनील यादव की रूस-यूक्रेन जंग में मौत हो चुकी थी। आजमगढ़ के राकेश यादव और मऊ के बृजेश यादव घायल होने के बाद घर लौट आए थे। वहीं, विनोद यादव, जोगेंद्र यादव, अरविंद यादव, रामचंद्र, अजहरुद्दीन खान, हुमेश्वर प्रसाद, दीपक, धीरेंद्र कुमार लापता हो गए थे। कंधरापुर थाना के खोजापुर माधवपट्टी निवासी योगेंद्र यादव भी उसी में थे। परिवार के लोगों का कहना था कि मऊ के एजेंट विनोद यादव ने सभी को फंसाया था। गार्ड की नौकरी के लिए लेकर गए और बार्डर पर भेज दिया। 15 जनवरी 2024 को विनोद, सुमित और दुष्यंत नामक एजेंट के साथ गए उनको गार्ड और हेल्पर की नौकरी के लिए ले जाया गया।

चलती ट्रेन में बदमाशों ने यात्री को सीने में मारी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ खगड़िया

बिहार के खगड़िया जिले में चलती ट्रेन में बदमाशों ने ऐसी वारदात को अंजाम दिया, जिसने यात्रियों में दहशत फैला दी। यहां जन साधारण एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री को गोली मार दी गई। घायल शख्स की पहचान देव कुमार गुंजन के रूप में हुई है, जो सुपौल में तैनात मोटर वाहन निरीक्षक अस्मिता कुमारी के पति हैं। घटना सहरसा रेलखंड के मानसी और बदला घाट स्टेशन के बीच की है। देव कुमार गुंजन अपनी पत्नी के साथ सुपौल से झारखंड के गोड्डा स्थित अपने घर जा रहे थे। आरोप है कि इस दौरान ट्रेन में बदमाश सामान और कैश लूटने लगे। जब देव कुमार गुंजन ने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने उन्हें निशाना बना लिया और सीने में गोली मार दी। गोली चलते ही ट्रेन के डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई। यात्री दहशत में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे और स्थानीय पुलिस एक्टिव हुई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल खगड़िया सदर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस घटना को लेकर आरोप है कि बदमाश ट्रेन में लूटपाट कर रहे थे और विरोध करने पर गोली मार दी गई। हालांकि पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। उधर मानसी जीआरपी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल से पूछताछ की और वारदात से जुड़े तथ्यों को जुटाने की कोशिश की। ट्रेन में मौजूद अन्य यात्रियों से भी जानकारी ली जा रही है। वहीं मानसी जीआरपी थानाध्यक्ष रवि भूषण ने कहा कि ट्रेन में एक यात्री को बदमाशों ने गोली मारकर घायल कर दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना किस वजह से हुई, इसका अभी खुलासा नहीं हो पाया है। जख्मी झारखंड के गोड्डा का रहने वाला है।

हिंदमाता एंकरः बुलडोजर की मदद से वहां बने कमरे और अन्य निर्माण को ध्वस्त किया गया, कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा गया

जहां रात में थी मजार,सुबह वहां मिले सिर्फ पौधे.. इटावा में बदल गया मंजर

हिंदमाता संवाददाता @ इटावा

इटावा में एक ऐसी प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है, जिसकी चर्चा शहर से लेकर सोशल मीडिया तक हो रही है। वजह सिर्फ एक ध्वस्तीकरण अभियान नहीं, बल्कि वह तस्वीर है जिसने लोगों को चौंका दिया। जिन लोगों ने रात तक एक मजार देखा था, सुबह जब वे उसी स्थान पर पहुंचे तो पूरा दृश्य बदल चुका था। जहां पहले मजार दिखाई देती थी, वहां अब पेड़-पौधे और हरियाली नजर आ रही थी। मामला इटावा सफारी पार्क के पीछे बीहड़ क्षेत्र में स्थित सैयद बाबा की मजार से जुड़ा है। वन विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में इस मजार से जुड़े निर्माण को हटाकर जमीन को खाली कराया गया। इसके बाद उसी स्थान पर वृक्षारोपण कर दिया गया। बताया जा रहा है कि कार्रवाई इतनी गोपनीय और शांतिपूर्ण तरीके से की गई कि आसपास के अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी तब हुई, जब काम पूरा हो चुका था।

रात में चला अभियान, सुबह बदली तस्वीर

स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात प्रशासनिक गतिविधियां तेज हुईं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच सबसे पहले मजार परिसर में मौजूद सामग्री और अवशेषों को हटाया गया। इसके बाद बुलडोजर की मदद से वहां बने कमरे और अन्य निर्माण को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा गया। प्रशासन ने कोशिश की कि प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे और किसी तरह की अव्यवस्था न हो। सुबह जब लोगों ने इलाके का रुख किया तो वहां का नजारा बदल चुका था। ध्वस्तीकरण के बाद मलबा भी हटा दिया गया था और जमीन को समतल कर वन विभाग की ओर से वृक्षारोपण शुरू कर दिया गया था। कई बड़े पौधों के साथ सैकड़ों छोटे पौधे भी लगाए गए। इसी बदलाव ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। सोशल मीडिया पर भी तस्वीरें और वीडियो साझा किए जाने लगे, जिनमें रात और सुबह के दृश्य का अंतर साफ दिखाई दे रहा था।

आखिर क्यों हुई कार्रवाई?

जानकारी के अनुसार वन विभाग काफी समय से इस मामले की जांच कर रहा था। विभाग का कहना था कि जिस भूमि पर मजार और उससे जुड़े निर्माण मौजूद थे, वह वन विभाग की भूमि है। ऐसे में निर्माण की वैधता से जुड़े दस्तावेज मांगे गए थे। वन विभाग की ओर से मजार के केयरटेकर फजले इलाही को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में भूमि और निर्माण से जुड़े आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। सूत्रों के अनुसार कई महीनों तक सुनवाई चलती रही। इस दौरान अलग-अलग तारीखों पर पक्षकारों को दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। लेकिन वन विभाग का दावा है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। यहीं से मामला आगे बढ़ा और विशेष वन न्यायालय तक पहुंच गया।

मीडिया से दूर रखी गई पूरी कार्रवाई

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि कार्रवाई को मीडिया की नजरों से काफी हद तक दूर रखा गया। आमतौर पर इस तरह के अभियानों के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के बयान सामने आते हैं और कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी जाती है। लेकिन इस मामले में अधिकारी खुलकर कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। ध्वस्तीकरण के बाद भी जिला प्रशासन और वन विभाग की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। यही वजह है कि कार्रवाई को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई। स्थानीय स्तर पर चर्चा यह भी रही कि प्रशासन किसी भी प्रकार के विवाद या तनाव से बचना चाहता था। इसलिए पूरे अभियान को बेहद शांत और नियंत्रित तरीके से अंजाम दिया गया।

अफसरों को देता था सेक्स पार्टी, फिर होता था खेला

भारतीय मूल के फाइनेंसर का महाघोटाला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका में भारतीय मूल के एक बिजनेसमैन ने फजीर्वाड़े और ब्लैकमेलिंग की सारी हदें पार कर दीं। 44 वर्षीय फाइनेंसर महेंद्र मखीजानी को एक अमेरिकी बैंक के साथ करीब 100 मिलियन डॉलर (लगभग 954.2 करोड़ रुपये) की धोखाधड़ी करने के आरोप में बुधवार सुबह गिरफ्तार किया गया है। मखीजानी पर न सिर्फ बैंक घोटाले के, बल्कि सेक्स और ड्रग्स पार्टी आयोजित कर लोगों को ब्लैकमेल करने तथा हथियारबंद गुंडों के जरिए संपत्तियों पर कब्जा करने जैसे बेहद गंभीर आरोप भी हैं। इस मामले में दोषी पाए जाने पर उसे 30 साल तक की जेल हो सकती है।

954 करोड़ के फर्जीवाड़े को कैसे दिया अंजाम?

महेंद्र मखीजानी न्यूपोर्ट बीच स्थित 'कैंटर ग्रुप वी एलएलसी' नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने रियल एस्टेट से जुड़े लोन खरीदने या जारी करने के लिए कैंटर कंपनी को 100 मिलियन डॉलर का एडवांस दिया था, जिसे लोन की कमाई से बैंक को चुकाया जाना था। यूएस इंटरनल रेवेन्यू सर्विस के मुताबिक, मखीजानी ने शेल कंपनियों के नेटवर्क का इस्तेमाल किया और टाइटल इंश्योरेंस (बीमा) पॉलिसी के रिकॉर्ड में भारी हेराफेरी की। सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच मखीजानी ने दस्तावेजों में फजीर्वाड़ा करके यह दिखाया कि गिरवी रखी गई संपत्तियों पर उसकी कंपनी का पहला अधिकार है। इसके बाद उसने अपने कर्मचारियों के जरिए ये फर्जी बीमा पॉलिसियां बैंक में जमा करवा दीं और बैंक अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस में भी लगातार झूठ बोला।

बैंक अधिकारियों को फंसाने के लिए देता था 'सेक्स और ड्रग्स पार्टी'

अदालती दस्तावेजों के अनुसार, मखीजानी सीक्रेट प्राइवेट पार्टियों का आयोजन करता था, जिनमें ड्रग्स और सेक्स वर्कर्स लाई जाती थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन पार्टियों में बैंक के कुछ कर्मचारी भी शामिल हुए थे। मखीजानी इन पार्टियों में होने वाली चीजों की जानकारी का इस्तेमाल कर बैंक कर्मचारियों और अपने स्टाफ को ब्लैकमेल करता था और उन पर अपना दबदबा बनाए रखता था।

कर्मचारियों और विरोधियों को देता था खौफनाक धमकियां

मखीजानी ने अपने अधीन काम करने वालों में खौफ पैदा करने के लिए गुंडों का इस्तेमाल किया। दस्तावेजों के मुताबिक, वह कर्मचारियों को धमकी देता था कि वह उन्हें जान से मार देगा, उनके परिवार को सड़क पर ला देगा" और उनके बच्चों को सरकारी मदद (वेलफेयर) पर जीने को मजबूर कर देगा। यही नहीं, उसने दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक पॉश इलाके में होटल और एक रेस्तरां पर कब्जा करने के लिए अपने हथियारबंद गुंडों को भेजा था।

प्रतिद्वंद्वी को 12 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान

पिछले महीने ही एक मध्यस्थ ने मखीजानी को लगुना बीच के बिजनेसमैन मोहम्मद होनारकर के साथ रियल एस्टेट डील में हुए विवाद में 1.3 बिलियन डॉलर (लगभग 12,391.6 करोड़ रुपये) के हजार्ने का जिम्मेदार ठहराया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के हवाले से अदालत के दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मखीजानी अपने व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों (जिनमें होनारकर भी शामिल हैं) पर हावी होने के लिए धमकियों, डराने-धमकाने और हिंसा का भी सहारा लेता था।

भारत में जन्मा और ग्रीन कार्ड पर रह रहा है मखीजानी

अमेरिका के कोरोना डेल मार में रहने वाला महेंद्र मखीजानी भारत में पैदा हुआ था और वर्तमान में अमेरिका में ग्रीन कार्ड पर रह रहा है। बुधवार सुबह उसे न्यूपोर्ट बीच स्थित उसकी आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। यूएस इंटरनल रेवेन्यू सर्विस के अधिकारियों का कहना है कि मखीजानी ने अपने निजी फायदे के लिए दस्तावेजों में हेरफेर कर वित्तीय प्रणालियों का दुरुपयोग किया है, जिसके लिए उसकी पूरी जवाबदेही तय की जाएगी।

नीरव मोदी मामला: पीएनबी अधिकारियों के खिलाफ नहीं मिले भ्रष्टाचार के सबूत

सीबीआई जांच में बड़ा मोड़

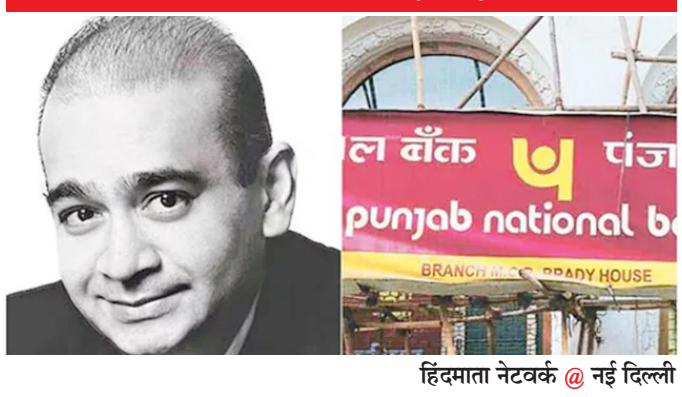

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआइ को पीएनबी के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। इसके बाद विशेष सीबीआई अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। यह मामला पीएनबी के मुंबई जोनल कार्यालय की शिकायत पर नीरव मोदी, उससे जुड़ी कंपनियों के निदेशकों और बैंक के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नीरव मोदी की फर्मों ने बैंक की क्रेडिट सुविधाओं का दुरुपयोग कर पीएनबी को 321.88 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। बैंक की आंतरिक जांच में नीरव मोदी की साझेदारी फर्मों- सोलर एक्सपोर्ट्स, स्टेलर डायमंड्स, डायमंड्स आर यूएस, फायरस्टार इंटरनेशनल लिमिटेड (एफआइएल) और फायरस्टार डायमंड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (एफडीआइपीएल) – के बीच संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और धन के सर्कुलर प्रवाह के संकेत मिले थे। मामले में शुरूआत में आइपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) के तहत भी केस दर्ज किया गया था। हालांकि जांच के दौरान बैंक अधिकारियों की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर सीबीआई ने केवल निजी व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने का फैसला किया।

अल-नीनो की दस्तक से बढ़ी टेंशन

कैसे भारत में घट सकता है बिजली उत्पादन? समझिए बड़ा खतरा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिकों की चिंताओं को सच साबित करते हुए अल-नीनो ने आधिकारिक तौर पर दस्तक दे दी है। अमेरिकी एजेंसी नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने घोषणा की है कि प्रशांत महासागर में एक बड़े हिस्से का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है, जो अल-नीनो की शुरूआत का स्पष्ट संकेत है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह इस सदी का सबसे शक्तिशाली अल-नीनो हो सकता है, जिसे सुपर अल-नीनो का नाम दिया जा रहा है।

अल-नीनो का भारत पर क्या होगा असर?

भारत के लिए यह खबर विशेष रूप से चिंताजनक है। मौसम विभाग और विशेषज्ञों के अनुसार, अल-नीनो के कारण इस साल मानसून कमजोर रह सकता है, जिससे बारिश औसत से 10 फीसदी कम होने की आशंका है। इसका सीधा असर कृषि क्षेत्र, खासकर धान की फसल पर पड़ेगा। खेती के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। कम बारिश के कारण जलाशयों में पानी का स्तर गिरेगा, जिससे जल विद्युत उत्पादन में 10 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों का मानना है कि जलाशयों में पानी कम होने से टरबाइन को कम ताकत मिलेगी, जो बिजली निर्माण को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा।

इतिहास का सबसे गर्म साल होने की आशंका

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि मौजूदा अल-नीनो पहले से जारी ग्लोबल वार्मिंग के असर को और घातक बना देगा। इसके प्रभाव से साल 2027 में वैश्विक तापमान के सभी पिछले रिकॉर्ड टूटने की प्रबल संभावना है। नोआ के अनुसार, नवंबर से जनवरी के बीच एक अति शक्तिशाली अल-नीनो की 63% संभावना है, जो 1950 के बाद की सबसे बड़ी मौसम घटनाओं में से एक हो सकती है।

वैश्विक स्तर पर मौसम का उथल-पुथल

अल-नीनो केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के मौसम चक्र को बिगाड़ सकता है। इसके कारण ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में भीषण सूखा पड़ सकता है और जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

बिजनेस वर्ल्ड

लगातार पांचवें महीने बढ़ी महंगाई, मई में 3.93% पंहुचा रिटेल इनफ्लेशन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश में महंगाई एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है। मई 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह लगातार पांचवां महीना है जब महंगाई दर में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि यह अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के लक्ष्य के आसपास है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आने वाले महीनों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में महंगाई में हुई बढ़ोतरी इस साल की सबसे तेज मासिक वृद्धि है। जनवरी में महंगाई 2.74 फीसदी थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मई में 3.93 फीसदी तक पहुंच गई। इससे साफ है कि कीमतों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी रही। मई में खाद्य महंगाई बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जबकि अप्रैल में यह 4.20 फीसदी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 4.85 फीसदी रही, जो शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि सब्जियों और अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के बजट पर दबाव बढ़ाया है। खाद्य वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। रेस्तरां और खाने-पीने से जुड़ी सेवाओं की महंगाई 5.7 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। इससे बाहर खाना खाना और होटल सेवाओं का उपयोग करना पहले की तुलना में अधिक महंगा हो गया है। मई के दौरान ईंधन कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हुई, जिसका असर परिवहन लागत पर पड़ा। बढ़ते ईंधन खर्च के कारण माल ढुलाई महंगी हुई और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी दिखाई दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने भी महंगाई को बढ़ाने में भूमिका निभाई है।

वेदांता के 5 टुकड़े.. क्या अब निवेशकों को नहीं मिलेगा मोटा डिविडेंड?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए वेदांता हमेशा से एक खास शेयर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कंपनी की तरफ से मिलने वाला भारी-भरकम डिविडेंड। लेकिन अब इस दिग्गज कंपनी का स्वरूप पूरी तरह बदलने जा रहा है। वेदांता का पांच अलग-अलग कंपनियों में बंटवारा (डीमर्जर) हो रहा है। ऐसे में हर उस आम निवेशक के मन में डर बैठ गया है, जिसने केवल डिविडेंड की उम्मीद में अपनी गाढ़ी कमाई इस शेयर में लगा रखी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बंटवारे के बाद डिविडेंड की वह बारिश बंद हो जाएगी, जिसके लिए वेदांता बाजार में मशहूर है? वेदांता के इस डीमर्जर के तहत कंपनी को पांच हिस्सों में बांटा जा रहा है। इसका सीधा गणित यह है कि अगर आपके पास वेदांता का मौजूदा एक शेयर है, तो आपको चार नई कंपनियों का एक-एक शेयर मिलेगा। इन नई कंपनियों में वेदांता एल्युमिनियम मेटल, वेदांता पावर, वेदांता ऑयल एंड गैस तथा वेदांता आयरन एंड स्टील शामिल हैं। इस पूरी प्रक्रिया के लिए रिकॉर्ड डेट 1 मई 2026 तय की गई थी। हालांकि, बाजार बंद होने के चलते शेयर की कीमतों पर इस डीमर्जर का असर 30 अप्रैल को ही देखने को मिल गया था। इस बदलाव के बाद निवेशकों के पोर्टफोलियो में एक की जगह पांच अलग-अलग कंपनियों के शेयर दिखने लगेंगे। बाजार में कई कंपनियां हैं, लेकिन वेदांता की पहचान एक डिविडेंड मशीन के तौर पर होती है। मौजूदा समय में भी कंपनी का डिविडेंड यील्ड 10 प्रतिशत से ज्यादा है, जो किसी भी सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट के रिटर्न से कहीं अधिक है। इसी साल मार्च 2026 में कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर 11 रुपये का शानदार अंतरिम डिविडेंड घोषित किया था। अब जब यह विशाल कंपनी पांच टुकड़ों में बंट रही है, तो शेयरधारकों को चिंता सता रही है कि कहीं उनके हाथ आने वाली यह नियमित नकद आय हमेशा के लिए कम न हो जाए।

कैंसर दवाओं की कमी होगी दूर? सरकार के फैसले से राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ महत्वपूर्ण दवाओं की कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार के दवा मूल्य नियामक नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने दो प्रमुख प्लैटिनम-आधारित कैंसर दवाओं, सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन , की अधिकतम कीमत में 50 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। इस फैसले का मकसद बाजार में इन दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों को हो रही परेशानी को कम करना है। पिछले कुछ महीनों से देश के कई सरकारी और निजी अस्पतालों में इन कैंसर रोधी दवाओं की कमी देखने को मिल रही थी। खासतौर पर सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समय पर दवाएं नहीं मिल पा रही थीं। सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन का उपयोग ओवरी, फेफड़ों और ब्लैडर कैंसर समेत कई प्रकार के कैंसर के इलाज में किया जाता है। ऐसे में इनकी कमी मरीजों के उपचार पर सीधा असर डाल रही थी। एनपीपीए द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सिस्प्लैटिन की अधिकतम कीमत 7.26 रुपये प्रति मिलीलीटर से बढ़ाकर 10.89 रुपये प्रति मिलीलीटर कर दी गई है। वहीं कार्बोप्लैटिन की कीमत 60.49 रुपये प्रति मिलीलीटर से बढ़ाकर 90.74 रुपये प्रति मिलीलीटर कर दी गई है। यह कीमतें टैक्स से अलग होंगी। सरकार का कहना है कि यह फैसला जनहित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है ताकि दवा कंपनियां उत्पादन जारी रख सकें और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति बनी रहे। विशेषज्ञों के अनुसार, इन दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले प्लैटिनम की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। भारत प्लैटिनम के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। दक्षिण अफ्रीका जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से आपूर्ति में कमी और वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग के कारण कच्चे माल की लागत काफी बढ़ गई है। इसके अलावा मध्य-पूर्व में जारी तनाव और सप्लाई चेन में बाधाओं ने भी उत्पादन लागत को प्रभावित किया है। बढ़ती लागत और नियंत्रित कीमतों के कारण कई दवा कंपनियों के लिए इन दवाओं का उत्पादन आर्थिक रूप से मुश्किल हो गया था। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि नई कीमतें कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता सुधरेगी और मरीजों को राहत मिलेगी।

देश का खाद्य तेल आयात मई में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 13.39 लाख टन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश का खाद्य तेल आयात मई में 6.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 13.39 लाख टन रहा। कच्चे सोयाबीन तेल की अधिक मांग इसकी मुख्य वजह रही। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वनस्पति तेल का आयात मई में बढ़कर 13,38,936 टन हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 12,54,883 टन था। वनस्पति तेल में खाद्य एवं गैर-खाद्य दोनों तेल शामिल हैं। यह वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे सोयाबीन तेल के आयात में बढ़ोतरी के कारण हुई, जो इस अवधि में 3,98,585 टन से बढ़कर 4,93,854 टन हो गया। गैर-खाद्य तेलों का आयात भी दोगुने से अधिक होकर पिछले महीने 26,202 टन हो गया, जो मई 2025 में 12,040 टन था। इससे मई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल आयात (खाद्य और गैर-खाद्य) 8 प्रतिशत बढ़कर 13.65 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 12.67 लाख टन था। तेल वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में कुल वनस्पति तेल आयात 12 प्रतिशत बढ़कर 93.65 लाख टन हो गया, जो 2024-25 की इसी अवधि में 83.39 लाख टन था।

टीसीएस ने देश के पहले ओरेकल एआई डेटा प्लेटफॉर्म लैब की शुरुआत की

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को यहां भारत का पहला ओरेकल एआई डेटा प्लेटफॉर्म लैब और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) शुरू किया। इसका उद्देश्य उद्यमों को कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने और डेटा-आधारित बदलाव की प्रक्रिया तेज करने में मदद करना है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोलकाता स्थित डेल्टा पार्क लॉर्ड्स में इस केंद्र की शुरूआत ओरेकल के साथ मिलकर की गई है। यह ग्राहकों को बिखरे हुए डेटा सिस्टम, धीमी विश्लेषण प्रक्रिया, एआई के सीमित विस्तार और परिचालन अक्षमताओं जैसी चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। टीसीएस ने कहा कि यह प्रयोगशाला ओरेकल एआई डेटा मंच का उपयोग करेगी, जिसमें ओरेकल क्लाउड अवसंरचना, ओरेकल स्वायत्त एआई डेटाबेस और ओसीआई उद्यम एआई जैसी सुविधाएं शामिल हैं। बयान के मुताबिक, कंपनी अगले तीन वर्षों में देश के चार अन्य शहरों में भी इसी तरह की प्रयोगशाला और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। टीसीएस के उपाध्यक्ष एवं वैश्विक प्रमुख (ओरेकल प्रैक्टिस) सुदीप्तो राय ने कहा, इस सुविधा को अवधारणा से लेकर प्रयोग और फिर बड़े पैमाने पर लागू करने तक के सफर को तेज करने के लिए तैयार किया गया है।

बुर्के के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर अंधाधुंध फायरिंग

मासूम सहित दो लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ हेरात

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के तहत महिलाओं के मौलिक अधिकारों का दमन एक बार फिर रक्तरंजित संघर्ष में बदल गया है। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबानी लड़ाकों ने बुर्का पहनने के अनिवार्य नियम और हालिया गिरफ्तारियों के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिलाओं पर सीधे गोलियां बरसा दीं। संयुक्त राष्ट्र और वहां के लोगों के अनुसार, इस क्रूर कार्रवाई में कम से कम दो लोगों की जान चली गई है, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा, 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

क्या है पूरा विवाद?

पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब हेरात की तालिबानी मोरैलिटी पुलिस ने शनिवार को उन महिलाओं को हिरासत में लेना शुरू किया, जिन्होंने पूरे शरीर को ढकने वाला बुर्का नहीं पहना था। तालिबान के सदाचार प्रसार और बुराई रोकथाम मंत्रालय द्वारा लागू नियमों के तहत महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलते समय लगभग पूरा शरीर ढंकना अनिवार्य है। हालांकि, कई महिलाएं पारंपरिक बुर्के के बजाय ढीला अबाया और सिर व चेहरे को ढंकने वाले स्कार्फ का उपयोग करती।

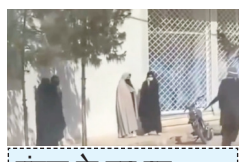

बंदूक के दम पर दबाया गया प्रदर्शन

मंगलवार को तालिबान की इस दमनकारी नीति के विरोध में दर्जनों महिलाएं सड़कों पर उतर आईं। प्रदर्शनकारी महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ नारेबाजी कर रही थीं। प्रदर्शन को तितर-बितर करने के लिए तालिबान ने सुरक्षा बलों का सहारा लिया और बल प्रयोग के साथ-साथ सीधी फायरिंग शुरू कर दी।

भारत के दुश्मनों को हथियार देता है यूरोप

रूस से तेल खरीदने के सवाल पर जयशंकर का करारा जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका और यूरोप के कई देश कड़ी आलोचना करते रहे हैं। यूरोप में रूस से तेल खरीदने से जुड़े एक सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय देशों पर ही तीखा हमला करते हुए कहा कि ये देश भारत के दुश्मनों को हथियार बेचते हैं जिसका इस्तेमाल हम पर हमले के लिए किया जाता है। यह आज से नहीं, बल्कि कई सालों से होता आ रहा है। लेकिन हम भारतीय लोगों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया। यूरोप की यात्रा पर गए विदेश मंत्री जयशंकर ने फिनलैंड में एक कार्यक्रम में कहा, यूरोपीय देश ऐसे देशों को हथियार बेचते हैं जिनका इस्तेमाल भारत पर हमले के लिए किया जाता है। यह सब कुछ अभी से नहीं बल्कि कई सालों से किया जा रहा है। लेकिन हम भारतीयों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक वाजिब बात है।

हमारे हथियारों ने यूरोप पर हमला नहीं किया

जयशंकर ने अपने जवाब में कहा, मैं 2 बातें कहना चाहूंगा। मैं कीमत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता हूं। उस समय, बाजार में ज्यादातर तेल रूस का ही उपलब्ध था क्योंकि यूरोपीय देश मुख्य रूप से मध्य पूर्व से तेल खरीद रहे थे, जो हमारा पारंपरिक सप्लायर भी था। इसलिए हालात ने हमें एक खास दिशा में आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया।

हम भी खेल समझते हैं वर पर जयशंकर का तंज

साल 2022 की घटनाओं का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि मॉस्को पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्थिरता लाने में भारत की भूमिका को अमेरिका ने भी माना था। विदेश मंत्री के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर महंगाई को काबू में रखने और तेल की सप्लाई में बड़ी रुकावट को रोकने के लिए वॉशिंगटन ने नई दिल्ली को रूसी कच्चा तेल खरीदना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एनवायरनमेंट मंथ 2026 का आयोजन किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एनवायरनमेंट मंथ 2026 की शुरूआत की है, जिसका थीम है रिसोर्स रीसाइक्लिंग के जरिए क्लाइमेट पॉज़िटिव कंपनी की ओर कदम। इस पहल के माध्यम से कंपनी अपने ऑपरेशन्स और स्टेकहोल्डर इकोसिस्टम में टिकाऊ प्रैक्टिसेज को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराती है। टोयोटा एनवायरनमेंटल चैलेंज 2050 और अन्य सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों से प्रेरित होकर, यह पहल सप्लायर्स, डीलर्स, लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स, कर्मचारियों और समुदायों को रिसोर्स रीसाइक्लिंग, वेस्ट रिडक्शन और क्लाइमेट-पॉज़िटिव एक्शन के लिए एकजुट करती है। टीकेएम अपने ऑपरेशन्स में रिसोर्स खपत कम करने और वेस्ट घटाने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। कंपनी का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में क्रॉस-फंक्शनल सुधार गतिविधियों के माध्यम से पैकेजिंग उपयोग में 12.5% कमी करना है। साथ ही, 2030 तक वार्षिक माइलस्टोन के जरिए प्रोसेस-जनरेटेड वेस्ट में 15% कमी हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रयासों को मजबूत वेस्ट रीसाइक्लेबिलिटी उपायों और जीरो वेस्ट टू लैंडफिल की दिशा में निरंतर काम से समर्थन मिलेगा। टीकेएम अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को पूरी तरह से नवीकरणीय बिजली पर चलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। बी। पद्मनाभा, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर - मैन्युफैक्चरिंग, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, हमारी क्लाइमेट-पॉजिटिव कंपनी बनने की यात्रा निरंतर सुधार, सहयोग और जिम्मेदार कार्रवाई की मांग करती है। एनवायरनमेंट मंथ 2026 के माध्यम से हम रिसोर्स रीसाइक्लिंग और वेस्ट रिडक्शन पर अपना ध्यान और मजबूत कर रहे हैं, साथ ही वैल्यू चेन में टिकाऊ प्रैक्टिसेज को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर व्यक्ति का योगदान, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, सार्थक बदलाव ला सकता है। सामूहिक प्रयासों से हम पर्यावरणीय प्रभाव कम करेंगे और अपने दीर्घकालिक सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों को आगे बढ़ाएंगे।" एनवायरनमेंट मंथ 2026 जैसी पहलों के माध्यम से टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता को मजबूत करना, सस्टेनेबिलिटी में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करना और जिम्मेदार विकास के जरिए समाज के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना है।

हिंदमाता एंकर हाल ही में उत्तरी आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में एक सूडानी शरणार्थी से जुड़ी चाकूबाजी की घटना के बाद बड़े पैमाने पर दंगे भड़क उठे

प्रवासियों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों से बढ़ी चिंता, क्या भारतीयों का यूरोपियन ड्रीम खतरे में?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भविष्य के सपने लेकर यूरोप जाने वाले प्रवासियों के लिए अब स्थितियां वैसी नहीं रहीं जैसी पहले हुआ करती थीं। वर्तमान में ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे प्रमुख यूरोपीय देशों में प्रवासियों को लेकर चल रही राजनीतिक और सामाजिक बहस ने हिंसक रूप ले लिया है। सड़कों पर उतरते स्थानीय लोग और सरकारों द्वारा वीजा नियमों में की जा रही सख्ती ने उन लाखों भारतीयों की चिंता बढ़ा दी है, जो यूरोपियन ड्रीम को अपनी आंखों में संजोए हुए हैं।

आखिर क्यों भड़का स्थानीय लोगों का गुस्सा?

यूरोप के कई देशों में स्थानीय लोगों की नाराजगी के पीछे कई गहरे कारण हैं। जानकारों के अनुसार, इसका मुख्य कारण मकानों की भारी कमी और आसमान छूती कीमतें हैं। इसके साथ ही, बढ़ती महंगाई ने स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है, जिससे लोगों को लगता है कि प्रवासियों के आने से उनके लिए अवसर कम हो रहे हैं। साल 2015 के शरणार्थी संकट के बाद से ही स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक सेवाओं पर बोझ बढ़ता गया है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों ने भी आग में घी डालने का काम किया है, जिससे अक्सर विरोध प्रदर्शन हिंसक झड़पों में तब्दील हो जाते हैं।

बेलफास्ट से डबलिन तक हिंसा का दौर

हाल ही में उत्तरी आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में एक सूडानी शरणार्थी से जुड़ी चाकूबाजी की घटना के बाद बड़े पैमाने पर दंगे भड़क उठा। प्रदर्शनकारियों ने प्रवासियों और अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाया, घरों में तोड़फोड़ की और पुलिस पर पथराव किया। इसी तरह आयरलैंड के डबलिन में भी आवास संकट और प्रवासियों की बढ़ती संख्या को लेकर स्थानीय लोग सड़कों पर हैं। ब्रिटेन में भी छोटी नावों के जरिए आने वाले अवैध प्रवासियों और उन्हें होटलों में ठहराने के सरकारी खर्च को लेकर जनता में भारी रोष देखा जा रहा है।

भारतीयों पर क्या होगा इसका असर?

यूरोप में रहने वाले अधिकांश भारतीय छात्र, आईटी प्रोफेशनल, डॉक्टर या इंजीनियर हैं। हालांकि ये लोग वहां की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, लेकिन बढ़ते एंटी-माइग्रेंट माहौल का सीधा असर भविष्य की नीतियों पर पड़ सकता है। सख्त होते वीजा नियम: ब्रिटेन जैसे देश पहले ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए परिवार को साथ लाने के नियमों में बदलाव कर चुके हैं। भविष्य में स्टूडेंट वीजा, वर्क परमिट और पोस्ट-स्टडी वर्क नियमों को और कड़ा किया जा सकता है। स्थायी निवास में मुश्किलें: प्रवासियों की संख्या सीमित करने के दबाव में सरकारें नागरिकता और स्थायी निवास की प्रक्रियाओं को और अधिक जटिल बना सकती हैं। सामाजिक सुरक्षा: भले ही भारतीयों को सीधे तौर पर निशाना न बनाया जा रहा हो, लेकिन प्रवासियों के प्रति बढ़ती नफरत किसी भी विदेशी समुदाय के लिए असुरक्षा का माहौल पैदा करती है।

एक मुश्किल संतुलन की तलाश

दिलचस्प बात यह है कि यूरोप की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है और उसे कुशल कर्मचारियों की सख्त जरूरत है। एक तरफ राजनीतिक दल वोट बैंक के लिए प्रवास कम करने की बात कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ वहां के उद्योग विदेशी स्किल्स की मांग कर रहे हैं। भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए अवसर पूरी तरह खत्म नहीं होंगे, लेकिन आने वाले समय में वीजा और इमिग्रेशन की राह पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होने वाली है।

हिंदमाता मिरर

दिशा पाटनी आज करती हैं करोड़ों दिलों पर राज

बॉलीवुड की 'नेशनल क्रश' और अपनी बोल्ड अदाओं से इंटरनेट का तापमान बढ़ाने वाली दिशा पाटनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी एक तस्वीर आते ही लाखों लाइक्स आ जाते हैं, और फैंस उनकी फिटनेस और ग्लैमरस लुक के दीवाने हैं। लेकिन क्या आप यकीन करेंगे कि आज जिस हसीना को देखकर फैंस आहें भरते हैं, जिनकी तस्वीरें मोबाइलों का वॉलपेपर बनती हैं, उन्हें स्कूल के दिनों में लड़के मुड़कर देखते तक नहीं थे?

■ खुद दिशा पाटनी ने अपनी जिंदगी के इस हैरान कर देने वाले राज से पर्दा उठाया था। आइए जानते हैं कि लाखों दिलों पर राज करने वाली दिशा का बचपन कैसा था और वह कैसे एक शांत रहने वाली लड़की से बॉलीवुड की सबसे हॉट एक्ट्रेसेस में से एक बन गईं। आज भले ही दिशा पाटनी को बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस अभिनेत्रियों की लिस्ट में गिना जाता हो, लेकिन उनका बचपन इसके बिल्कुल उलट था। दिशा ने एक पुराने इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह बचपन में बेहद साधारण और टॉमबॉय जैसी दिखती थीं।

■ दिशा ने बताया था कि मेरे पिता ने मुझे एक लड़के की तरह पाल-पोसकर बड़ा किया। यही वजह थी कि नौवीं क्लास तक मेरे बाल लड़कों की तरह बेहद छोटे थे। मैंने दसवीं क्लास में आकर पहली बार अपने बाल बढ़ाने शुरू किए थे। स्कूल के दिनों में दिशा का व्यक्तित्व आज के मुकाबले बिल्कुल अलग था। वह स्कूल में बेहद शांत रहने वाली लड़की थीं, जो अक्सर क्लास की आखिरी बेंच पर बैठना पसंद करती थीं। वह बहुत कम बोलती थीं और अपनी ही दुनिया में खोई रहती थीं। दिशा के मुताबिक, उस समय स्कूल में उन्हें कोई भी 'अट्रैक्टिव' या आकर्षक नहीं मानता था।

■ अक्सर माना जाता है कि खूबसूरत लड़कियों के आगे-पीछे लड़कों की लाइन लगी रहती है, लेकिन दिशा पाटनी के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं था। इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या लड़के उनके पीछे दीवाने थे? तो दिशा ने मुस्कुराते हुए एक चौंकाने वाला जवाब दिया। दिशा ने कहा था कि उनकी पूरी जिंदगी में आज तक कोई भी लड़का उनके पास सीधे तौर पर यह कहने नहीं आया कि वह उन्हें 'हॉट' लग रही हैं। एक्ट्रेस के मुताबिक, मेरी असल जिंदगी में कभी किसी लड़के ने मेरे साथ फ्लर्ट करने की हिम्मत या कोशिश नहीं की।

■ दिशा पाटनी की यह कहानी साबित करती है कि कड़ी मेहनत, खुद पर विश्वास और सही ग्रूमिंग से कोई भी अपनी तकदीर बदल सकता है। जो लड़की कभी स्कूल की आखिरी बेंच पर गुमनाम बैठी रहती थी, उसने साल 2016 में सुशांत सिंह राजपूत स्टारर फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद दिशा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने एक से बढ़कर एक कमर्शियल और एक्शन फिल्मों में काम किया, जिनमें बागी 2, मलंग, भारत, राधे और कल्कि 2898 एडी जैसी फिल्में शामिल है।

बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं वैभव सूर्यवंशी : डेल स्टेन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने करियर के अंत तक सचिन तेंडुलकर और विराट कोहली से भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। इसके बाद उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में भी शामिल किया गया है। स्टेन ने एसए20 की ओर से पांचवें सत्र से पहले आयोजित बातचीत में कहा कि सूर्यवंशी अलग ही स्तर के खिलाड़ी हैं। वह अभी कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर हैं। वह एक 'बॉय वंडर' हैं और भारतीय क्रिकेट के लिए किसी खजाने की तरह है।

सचिन-कोहली से भी बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं

उन्होंने आगे कहा कि सचिन और कोहली जैसे दिग्गजों की बात करें तो यह बच्चा आगे चलकर उनसे भी बड़ा बन सकता है। लेकिन जरूरी है कि उसे सही तरीके से संभाला जाए, क्योंकि बड़ी जिम्मेदारी के साथ बड़ी सावधानी भी जरूरी होती है। अगर उसे ठीक से मैनेज नहीं किया गया तो हम उसे खो भी सकते हैं। स्टेन ने कहा कि सूर्यवंशी की सबसे बड़ी ताकत बेहतरीन गेंदबाजी को भी सहजता से हिट करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि वह बेहतरीन बॉल स्ट्राइकर हैं। भारत में अच्छे विकेट और छोटे मैदानों का उसने बहुत अच्छे से फायदा उठाया है। वह एक बहुत ही प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 699 विकेट लेने वाले स्टेन का मानना है कि सही रणनीति से उन्हें रोका भी जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर बल्लेबाज के अंदर थोड़ा डर पैदा किया जाए तो उसे नियंत्रित किया जा सकता है।

शॉर्ट बॉल अच्छा विकल्प है

उन्होंने कहा कि कगिसो रबाडा ने उसके खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की। उसे बाउंसर गेंदों से परखना होगा और वह अभी बहुत युवा है, केवल 14-15 साल का है। अगर आप खेल में थोड़ा 'डर का तत्व' डाल सकें तो क्रिकेट वास्तव में एक ऐसा खेल है जिसमें यह अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि अगर आप खेल में डर के साथ उतरते हैं, यानी किसी खिलाड़ी से खौफ महसूस करते हैं तो गेंदबाजी करने या बल्लेबाजी करने का डर भी आपको गलत फैसले लेने पर मजबूर कर सकता है। इसलिए उनके खिलाफ शॉर्ट बॉल एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस 42 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इसके साथ ही 37 साल के दिग्गज विराट कोहली की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि कोहली का मानसिक स्तर और लगातार प्रदर्शन करने की भूख उन्हें खास बनाती है। उनमें वही आत्म-प्रेरणा है जो मेरे समय के खिलाड़ियों में भी थी। बदलते टी-20 क्रिकेट पर स्टेन ने कहा कि गेंदबाजों को विविधता के साथ-साथ सही समय पर सही गेंद का इस्तेमाल करना सीखना होगा। उन्होंने अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारूकी का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके पास काफी स्किल हैं, लेकिन असली चुनौती यह है कि उन्हें कब और कैसे इस्तेमाल करना है।

भारत अब नाजुक नहीं, मजबूत और ताकतवर है: अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन इस समय फिल्ममेकर नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में व्यस्त हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे। बॉलीवुड के शहंशाह और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि अब भारत को एक कमजोर और नरम देश के रूप में नहीं देखा जाता। उन्होंने इंडिया एंटी-फ्रैजाइल जैसे शब्द को बेहद शानदार बताया।

ब्लॉग पर शेयर किए अपने विचार

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर इस बारे में लिखा और बताया कि उन्हें देश के लिए एक बहुत ही शानदार शब्द मिला है। उन्होंने लिखा कि मुझे एक बहुत ही अच्छा वाक्य मिला 'इंडिया एंटी-फ्रैजाइल' बेहद शानदार' अब भारत को एक नरम और कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता।

अब हमें एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता

81 साल के अभिनेता इस बात से बेहद खुश हैं कि अब देश को कमजोर नहीं माना जाता। उन्होंने आगे लिखा कि हम अब कमजोर नहीं हैं- नाजुक नहीं, आसानी से टूटने वाले नहीं, आसानी से खत्म होने वाले नहीं, आसानी से डरने वाले नहीं। हम मजबूत हैं और ताकतवर हैं। अब हमें एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता 'गर्व से भरे हुए' सिर ऊंचा, सीना तानकर।

अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो अमिताभ बच्चन को आखिरी बार नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था, जिसमें प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। जल्दी ही वह 'कल्कि 2898 एडी' पार्ट 2 का हिस्सा होंगे।

हॉलीवुड में एंट्री को तैयार रितिक रोशन

हॉलीवुड के फिल्म मेकर्स अब केवल भारतीय दर्शकों को ही टारगेट नहीं कर रहे, बल्कि वे बॉलीवुड के सबसे बड़े चेहरों को अपनी मुख्य कहानियों का हिस्सा भी बना रहे हैं। इसी कड़ी में एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' कहे जाने वाले सुपरस्टार रितिक रोशन ने मशहूर हॉलीवुड मैनेजमेंट और प्रोडक्शन कंपनी 'एनोनिमस कंटेंट' के साथ एक खास डील साइन की है।

■ एजेंसी ने रितिक को 'भारतीय सिनेमा के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेताओं में से एक' के रूप में पेश किया है। अभी तक किसी स्पेसिफिक इंटरनेशनल फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन ऑस्कर विजेता प्रोजेक्ट्स देने वाली इस कंपनी के साथ रितिक का जुड़ना साफ इशारा करता है कि उनका हॉलीवुड डेब्यू अब ज्यादा दूर नहीं है।

किस्मत की मार खाकर रेखा ने लिया था एक्ट्रेस बनने का फैसला

बॉलीवुड ने जब भी बात सबसे बेस्ट एक्ट्रेस की होती है तो आज भी रेखा का नाम सबसे पहले आता है। रेखा ने अपने समय में बड़े पर्दे पर ऐसा रंग जमाया कि आज तक हर कोई उनके तारीफ के कसीदे पढता है। चाहे आज रेखा बॉलीवुड से दूर हैं लेकिन वो अपनों किसी न किसी बात को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। रेखा के एक्ट्रेस बनाने की कहानी आसान नहीं है, वो अपनी मर्जी से नहीं बल्कि मजबूरीयों की वजह से हीरोइन बनी थीं।

तेलुगु फिल्म से शुरू हुआ रेखा का करियर

बचपन में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में रेखा ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से अपनी एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद 1970 में उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा।

फिल्मों में कैसे रखा रेखा ने कदम

एक बार इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अपने किस तरह फिल्मी दुनियां में अपना पैर रखा तो उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी भी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। अपनी पर्सनल लाइफ की मजबूरियों की वजह से उन्हें ये फैसला लेना पड़ा। इसी के साथ रेखा ने बताया कि जब मैं 14-15 साल की थी, तब से ही उन्हें काम करना पड़ा। ऐसा इस वजह से क्योंकि जब उनके पिता ने रेखा की मां से शादी की थी तब पहली पत्नी को तलाक दिए बना ही उनके पिता ने दूसरी शादी कर ली। इस वजह से रेखा को हमेशा को हमेशा नाजायज संतान कहा गया।

कंगना रनौत ने जोधपुर स्थित चामुंडा देवी मंदिर के किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत 11 जून को राजस्थान पहुंची और जोधपुर स्थित चामुंडा देवी मंदिर कर पूजा-अर्चना की। इस खास अवसर पर कंगना ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य, लम्बी उम्र के लिए भी प्रार्थना की। सोशल मीडिया पर उन्होंने पोस्ट करते लिखा कि- आज जोधपुर में मां चामुंडा देवी और श्री गजानन महाराज के मंदिर में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल के 4400 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनकी दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर ऊर्जा के लिए प्रार्थना की।

■ मोदी जी का जीवन राष्ट्रसेवा, तप, त्याग और कर्मनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने जिस समर्पण, साहस और दूरदृष्टि के साथ भारत का नेतृत्व किया है, उसने भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और विश्व पटल पर देश की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व मजबूती दी है। मैंने ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, असीम शक्ति और दीघार्यु प्रदान करें, ताकि उनके नेतृत्व में आने वाला दशक भी भारत के लिए विकास, समृद्धि, सुरक्षा और गौरव का दशक सिद्ध हो। माननीय प्रधानमंत्री जी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

ट्रेडिशनल लुक में कंगना ने जीता सबका दिल

बॉलीवुड की क्वीन कंगना अपने बेहतरीन अभिनय के साथ-साथ अपने अदिव्तीय और समृद्ध परम्परिक फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में कंगना ने एक बार फिर अपने एथनिक लुक से नेटिजंस का दिल जीत लिया है। उन्होंने एक बेहद खूबसूरत और जटिल बुनाई वाली पारंपरिक गुजराती पटोला साड़ी में अपना नया फोटोशूट कराया है, जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। इन तस्वीरों में उनका अंदाज किसी रियासत की महारानी जैसा भव्य और राजसी नजर आ रहा है।

कैसा है कंगना रनौत का लुक

कंगना ने लाल रंग की साड़ी पहनी है और इसका पल्लू गहरे लाल रंग का है, जिसके किनारों पर बेहद ही खूबसूरत बहुरंगी फुंदने लगे हुए हैं। इस साड़ी के साथ कंगना ने मैचिंग गहरे लाल रंग का ब्लाउज पहना है, जिसकी sleeves पर भी सुंदर बॉर्डर और लटकन का काम किया गया है। अगर उनके ज्वेलरी की बात की जाए तो उन्होंने गले में एक हैवी विंटेज चोकर नेकलेस पहना है। इसी के साथ उन्होंने मैचिंग बड़े झुमके उनके चेहरे के आकर्षण को बढ़ा रहे हैं।

केन विलियमसन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 वर्षीय पूर्व कीवी कप्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो गए हैं। इसके साथ ही उनके 16 साल लंबे सुनहरे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड की टीम ने आईसीसी के कई टूर्नामेंट्स में फाइनल तक का सफर तय किया था। उनके नेतृत्व में ही न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था।

सीरीज के बीच से संन्यास का ऐलान

केन विलियमसन का ये निर्णय न्यूजीलैंड के इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दौरान आया है, जहां न्यूजीलैंड की टीम लॉर्ड्स टेस्ट हारने के बाद सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही है। न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया। 2025 में ही टी-20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था। 35 वर्ष के विलियमसन ने न्यूजीलैंड के लिए अलग-अलग प्रारूपों में 19346 रन बनाए हैं।

रिलीज हुआ 'काला हिरण' का टीजर

बॉलीवुड में असल जिंदगी के विवादों पर फिल्में बनना कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल ही में रिलीज हुआ एक टीजर देश के सबसे बड़े सुपरस्टार और एक कुख्यात गैंगस्टर की रंजिश को सीधे बड़े पर्दे पर लाने का दावा कर रहा है। अपनी घोषणा के वक्त से ही विवादों में घिरी हुई फिल्म 'काला हिरण - द बैटल फॉर लेगेसी' का फर्स्ट लुक सामने आ गया है।

■ निर्माता अमित जानी की फिल्म 'काला हिरण-द बैटल फॉर लेगेसी' का 2 मिनट 32 सेकंड का पहला लुक इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा चुका है। यह फिल्म 1998 के जोधपुर काले हिरण शिकार मामले और सुपरस्टार सलमान खान व गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के बीच चल रहे बेहद संवेदनशील विवाद पर आधारित नजर आ रही है। टीजर की शुरुआत एक गंभीर कोर्ट रूम सीन से होती है, जहां अयान खान नाम का आरोपी कटघरे में खड़ा है। फिल्म मेकर्स ने अयान के किरदार को पूरी तरह से सलमान खान का लुक देने की कोशिश की है—चाहे वह हाथ में पहना जाने वाला उनका सिग्नेचर ब्रेसलेट हो, चलने का खास अंदाज या फिर उनका बॉडी पोस्चर।

रिलीज हुआ 'ग्राम चिकित्सालय 2' का ट्रेलर

प्राइम वीडियो की कॉमेडी वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में अमोल पराशर एक बार फिर डॉक्टर के किरदार में नजर आए हैं। वह भठकंडी के हेल्थ सेंटर को बचाने की कोशिश करते हैं। वह एक आदर्श पीएचसी का खिताब हासिल करना चाहते हैं। मगर उनके रास्ते में कई रोड़े हैं।

ट्रेलर में क्या है?

2 मिनट 31 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि अमोल पराशर लोगों का अच्छे से इलाज करना चाहते हैं। हालांकि उनके पास अजीबोगरीब मरीज आते हैं। उन्हें ऊपर से सरकारी दवाएं नहीं मिलती हैं। ऐसे में वह चाहते हैं कि वह आदर्श पीएचसी का खिताब जीत लें ताकि उनके स्वास्थ्य केंद्र को सभी जरूरी सामान मिल जाएं।

अमोल पराशर के रास्ते में रोड़े

ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि अमोल पराशर के रास्ते में कई रोड़े हैं। उनके गांव में एक प्राइवेट डॉक्टर अपनी दुकान चलाने के लिए ग्राम चिकित्सालय के खिलाफ कुछ साजिश करता है। इलाके की राजनीति भी उनके लिए चुनौती बनती है। संसाधनों की कमी अमोल पराशर को आदर्श पीएचसी का खिताब दिलाने में दिक्कत पैदा करते हैं। इसमें सीरीज 'पंचायत' के अशोक पाठक और दुर्गेश नजर आए हैं। आकाश मखीजा, आनंदेश्वर द्विवेदी, विनय पाठक, आकांक्षा रंजन कपूर और गरिमा विक्रांत सिंह अपनी भूमिकाओं में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज 23 जून को रिलीज हो रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप